22 वर्ष

घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 02- रविवार 02- नवम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये ,www.ghatati-ghatana.com,RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

आंध्र प्रदेश के वेंकटेश्वर मंदिर में मची भगदड़,10 की मौत

एकादशी पर ज्यादा भीड़ से रेलिंग टूटी,महिलाएं और बच्चे चिल्लाते रहे

श्रीकाकुलम,01 नवम्बर 2025। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम स्थित काशीबुग्गा वेंकटेश्वर मंदिर में शनिवार को एकादशी के दौरान भगदड़ मचने से 10 लोगों की मौत हो गई। इनमें 8 महिलाएं और 2 बच्चे हैं। 25 से ज्यादा लोगों का इलाज चल रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार भारी भीड़ के दौरान धक्का-मुक्की की वजह से रेलिंग टूट गई। इससे भगदड़ मच गई। अधिकारियों को आशंका है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। सरकार ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं।

भगदड़ के बाद कई महिलाएं बेहोश हो गई...

भगदड़ के कई वीडियो सामने आए हैं,जिसमें मंदिर की सीढ़ियों पर लोगों की भारी भीड़ दिखाई दी। इनमें महिलाएं,बच्चें और कई बुजुर्ग भी थे। इसी दौरान रेलिंग गिर गई और लोग भीड़ से दबने लगे। महिलाएं और बच्चे बाहर निकलने के लिए चीखते-चिल्लाते दिखे। कई तो अपनी जान बचाने के लिए लोगों के ऊपर चढ़कर निकलते दिखे। वहीं,हादसे ही बाद के वीडियो में लोग भीड़ में दबी महिलाओं और बच्चों को बाहर निकालते दिखे। महिलाएं भगदड़ वाली जगह पर इधर-उधर बेसुध पड़ी दिखाई दीं। लोगों ने भीड़ में से महिलाओं को उनके हाथ-पैर पकड़कर खींचते दिखाई दिए। आंध्र प्रदेश की गृह मंत्री अनीता ने बताया कि मंदिर में हर हफ्ते करीब 1500 से 2000 श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। आज एकादशी होने की वजह से श्रद्धालुओं की संख्या बहुत अधिक थी। उन्होंने बताया कि मंदिर पहली मंजिल पर स्थित है और यहां जाने के लिए 20 सीढ़ियां हैं। इसी दौरान धक्का-मुक्की हुई और रेलिंग टूट गई, जिससे भगदड़ मच गई।

राष्ट्रपति,उपराष्ट्रपति ने दुख जताया,प्रधानमंत्री ने किया मदद का ऐलान

राष्ट्रपति,उपराष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री ने आंध्रप्रदेश के श्रीकाकुलम में वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में भगदड़ में हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने हताहतों के लिए मुआवजे की घोषणा की है। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने अपने शोक संदेश में कहा कि वे आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हुई दु:खद घटना में हुई जान-माल की हानि के बारे में जानकर स्तब्ध हैं। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की है। उपराष्ट्रपति ने काशीबुग्गा स्थित मंदिर में हुई भगदड़ को दुखद बताया। उन्होंने एक्स पर लिखा,आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हुई दु:खद भगदड़ से अत्यंत दु:खी हूं। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुखद है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दु:ख और संवेदना जताते हुए कहा कि राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50 हजार रुपये दिए जायेंगे।

केरल में अत्यधिक गरीबी खत्म देश का पहला राज्य बना

सीएम पिनाराई ने विधानसभा में घोषणा की

तिरुवनंतपुरम,01 नवम्बर 2025। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने शनिवार को विधानसभा में राज्य ने अत्यधिक गरीबी से मुक्त होने की औपचारिक घोषणा की। लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट सरकार का दावा है कि केरल ऐसा करने वाला भारत का पहला राज्य है। पिनाराई सरकार ने राज्य से अत्यधिक गरीबी हटाने के लिए 2021 में अत्यधिक गरीबी उन्मूलन परियोजनाशुरू की थी। इसके तहत 64,006 परिवारों की पहचान की गई थी। सरकार का दावा है कि 4 सालों के दौरान इन परिवारों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाल लिया गया है। केरल सीएम पिनाराई ने 25 अक्टूबर को एक्स पर कहा था कि राज्य अत्यधिक गरीबी से मुक्त हो गया है। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर को केरल पिरवी या स्थापना दिवस के अवसर पर विधानसभा के विशेष सत्र में वह इसकी घोषणा करेंगे। सीएम ने कहा था कि ?1,000 करोड़ से अधिक के निवेश के साथ, राज्य सरकार ने अत्यधिक गरीबी से जूझ रहे परिवारों को हर रोज खाना, स्वास्थ्य सेवाएं, घर, जरूरी दस्तावेज जैसे राशन कार्ड, आधार, पेंशन और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए। विपक्ष ने सदन का बहिष्कार किया, कहा- कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट ने पिनाराई सरकार के दावे को धोखाधड़ी करार दिया है। विपक्ष ने सरकार के विरोध में शनिवार को विशेष सत्र का बहिष्कार किया। जैसे ही विधानसभा का विशेष सत्र शुरू हुआ, सभी विपक्षी विधायक सदन से बाहर चले गए। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने कहा कि नियम 300 के तहत मुख्यमंत्री का बयान गलत और सदन के नियमों के खिलाफ है। विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि हम केवल वही कहते हैं जो हम लागू कर सकते हैं। हमने जो कहा था, उसे लागू

किया है। विपक्षी नेता को यही हमारा जवाब है। जून 2025 की परिभाषा के तहत, जिन लोगों की आय प्रतिदिन 3 अमेरिकी डॉलर (लगभग 257) से कम हैं, उन्हें अत्यधिक गरीब माना जाता है। पहले यह सीमा 2.15 (लगभग 178) प्रतिदिन थी। वर्ल्ड बैंक की 2025 की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में पिछले 11 सालों के दौरान लगभग 269 मिलियन (26.9 करोड़) अत्यधिक गरीबी से बाहर निकल पाएं हैं। 2011-12 में देश की अत्यधिक गरीबी दर 27.1% थी, जो 2022-23 में घटकर सिर्फ 5.3% रह गई है।

भारत की सैन्य रणनीति के नए युग की शुरुआत है ऑपरेशन सिंदूर : कर्नल सोफिया

नई दिल्ली,01 नवम्बर 2025। भारतीय सेना में कर्नल सोफिया कुरैशी ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत की सैन्य रणनीति के नए युग की शुरुआत बताया। उन्होंने इसे मल्टी-डोमेन प्रिसीजन वॉरफेयर का जीवंत प्रमाण करार दिया। मानेकशॉ सेंटर में आयोजित चाणक्य डिफेंस डायलॉग: यंग लीडर्स फोरम में बोलते हुए कर्नल कुरैशी ने याद दिलाया कि 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद किया। यह जवाबी कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के विरुद्ध थी। उन्होंने इसे थल,वायु और नौसेना के संयुक्त प्रयास, तकनीकी श्रेष्ठता और आत्मनिर्भर रक्षा क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। कर्नल ने चेतावनी दी कि पाकिस्तान ने सैन्य मोर्चे के साथ-साथ इन्फॉर्मेशन वॉरफेयर भी छेड़ी। अत: युवाओं को डिजिटल साक्षरता बढ़ानी होगी और फेक न्यूज, दुष्प्रचार से सावधान रहना होगा। उन्होंने कहा, आप केवल फायरपावर में नहीं, फायरवॉल्स में भी प्रशिक्षित हैं। आज युद्ध गोलियों से नहीं, बाइट्स और बैंडविड्थ से लड़ा जाता है।कर्नल ने जोर दिया कि भारत की 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम है यह युवा ऊर्जा देश की सबसे बड़ी सामरिक संपदा है। भारतीय सेना एआई, साइबर टेक्नोलॉजी में युवाओं को प्रशिक्षित कर रही है। आईआईटी, डीआरडीओ और अन्य संस्थानों के साथ साझेदारी चल रही है। चाहे सेना हो या शिक्षा, डिजाइन, टेक्नोलॉजी, प्रयास, नवाचार और संकल्प ही सफलता दिलाते हैं। कर्नल कुरैशी की प्रेरक वाणी ने आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति और रक्षा क्षेत्र में युवाओं की निर्णायक भूमिका पर नई रोशनी डाली। ऑपरेशन सिंदूर ने न केवल आतंक के खिलाफ दृढ़ इच्छाशक्ति दिखाई, बल्कि डिजिटल युग के युद्ध में भारत की तैयारी को भी विश्व पटल पर स्थापित किया। यह संदेश स्पष्ट है भारत का भविष्य युवाओं के हाथों में है। उन्होंने याद दिलाया कि 7 मई को भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों को नष्ट किया था।

भारत ने महिलाओं के स्वास्थ्य में बनाए तीन गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली,01 नवम्बर 2025। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को अपने 'एक्स' सोशल मीडिया हैंडल पर बड़ी खुशखबरी साझा की है। भारत ने महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए चलाए गए राष्ट्रव्यापी अभियान में तीन गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल किए हैं। यह उपलब्धि देश की महिलाओं और बच्चों की सेहत सुधारने की दिशा में एक बड़ा कदम है। अभियान का नाम है...स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान। इसे पोषण माह के साथ जोड़कर 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक चलाया गया। इसका मुख्य मकसद महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के स्वास्थ्य व पोषण को बेहतर बनाना था। साथ ही बीमारियों की जल्दी पहचान करना, जरूरी इलाज उपलब्ध कराना और परिवारों को मजबूत बनाना था। इस अभियान के तहत पूरे देश के सभी जिलों में 19.7 लाख से ज्यादा स्वास्थ्य शिविर लगाए गए। इन शिविरों में 11 करोड़ से अधिक लोग शामिल हुए। यहां महिलाओं की जांच, दवाइयां, पोषण सलाह और अन्य सेवाएं मुफ्त दी गईं। यह सब कुछ निवारक स्वास्थ्य सेवाओं पर फोकस करते हुए किया गया, यानी बीमारी आने से पहले ही रोकथाम। जेपी नड्डा ने कहा कि यह रिकॉर्ड महिलाओं के प्रति सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता दिखाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन से प्रेरित यह अभियान 'सेवा और भारत प्रथम' की भावना पर आधारित है। इससे एक स्वस्थ महिला, मजबूत परिवार और विकसित भारत का सपना साकार हो रहा है। यह तीनों रिकॉर्ड गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की ओर से दिए गए हैं। ये उपलब्धियां न सिर्फ संख्या में बड़ी हैं, बल्कि स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने में भी कामयाब रही हैं। अभियान में ग्रामीण और शहरी दोनों इलाकों को कवर किया गया, ताकि हर महिला तक पहुंच बन सके। सरकार का दावा है कि ऐसे कार्यक्रमों से एनीमिया, कुपोषण और मातृ मृत्यु दर जैसी समस्याएं कम होंगी। आगे भी ऐसे अभियान चलते रहेंगे।

यह बिहार का भविष्य तय करने का चुनाव हम बंद चीनी मिलों को चालू करेंगे : शाह

पटना,01 नवम्बर 2025। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार के गोपालगंज में वर्चुअली चुनावी जनसभा को संबोधित किया। खराब मौसम के कारण उनका हेलिकॉप्टर पटना से उड़ान नहीं भर पाया। अपने भाषण में शाह ने जंगलराज की याद दिलाई, साथ ही बंद पड़े चीनी मिलों को चालू कराने का वादा किया। बेगूसराय के बछवाड़ा में प्रियंका गांधी ने सभा की। बढ़ते क्राइम को लेकर प्रियंका ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, बिहार में क्राइम चरम पर है।

बिहार में महिलाएं असुरक्षित हैं। छपरा से आरजेडी के उम्मीदवार खेसारी लाल ने कहा है,'लालू का जंगलराज ही अच्छा था। लोग पैसे देकर जिंदा तो रहते थे। आज तो इंसान ही खत्म हो जा रहा है। कोई नेता गलत नहीं होता है, लोग गलत होते हैं।'खेसारी ने कहा...बात हत्या-अपहरण की नहीं, रोजगार की है,अगर वह नहीं मिलेगा तो हम मौत में भी रोजी-रोजगार खोज लेंगे। आप इतना रोजगार दे दीजिए, तो शायद मर्डर और किडनैपिंग की जरूरत ही न पड़े। गौरतलब है कि 243 सदस्यों वाली बिहार विधानसभा के लिए दो चरणों (6 और 11 नवंबर को) में मतदान होगा, जिसके नतीजे 14 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

जंगलराज के दौर में कई नरसंहार हुए...

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वर्चुअली गोपालगंज में चुनावी जनसभा में कहा 'साधु यादव के कारनामे गोपालगंज वालों से ज्यादा किसको मालूम हैं। जंगलराज के दौर में कई नरसंहार हुए,जिनमें बथानी टोला, सोनारी,शंकरबीघा नरसंहार जैसे अलग-अलग 34 नरसंहार हुए थे। जिसने बिहार की धरती को रक्तरंजित किया है।

दरभंगा में अखिलेश यादव बोले...नीतीश कुमार चुनावी दूल्हा

सपा प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व सीएम अखिलेश यादव दरभंगा में सभा को संबोधित कर रहे हैं। अखिलेश यादव ने नीतीश का नाम लिए बिना कहा कि वे भी जानते हैं कि अब वे मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे, वे सिर्फ चुनावी दूल्हा हैं, इसलिए सिर्फ दूसरों को माला पहना रहे हैं। आप लोगों ने देखा होगा कि महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश में जिन्हें लेकर चुनाव लड़ा, उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया,बिहार में भी ऐसा ही होने वाला है।

प्रियंका बोलीं...एनडीए की सरकार ने आपको आपके अधिकार नहीं दिए...

बेगूसराय के बछवाड़ा में प्रियंका गांधी ने शनिवार (1 नवंबर) को सभा की। बढ़ते क्राइम को लेकर प्रियंका ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, बिहार में क्राइम चरम पर है। उद्योगपतियों की हत्या हो रही है। हाल में चुनाव प्रचार में नेता की हत्या कर दी गई। महिलाएं असुरक्षित हैं।

कमर्शियल गैस सिलेंडर की घटी कीमत रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में बदलाव नहीं

नई दिल्ली,01 नवम्बर 2025। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) ने 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में कटौती कर दी है। हालांकि घरेलू उपयोग में आने वाले 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। मतलब घर के किचन के बजट में पर कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 4.50 रुपये से लेकर 6.50 रुपये तक की कटौती की गई है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के मुताबिक कीमत में की गई कटौती के बाद अब राजधानी दिल्ली में 19 किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 1,595.50 रुपये से कम होकर 1,590.50 रुपये हो गई है। पिछले महीने ही 1 अक्टूबर को ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 15 रुपये तक की बढ़ोतरी की थी। इस बढ़ोतरी के बाद होटल, रेस्टोरेंट और कमर्शियल गैस का

उपयोग करने वाले छोटे कारोबारियों पर महंगाई का बोझ बढ़ गया था। ऐसी स्थिति में आज कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में कटौती करके होटल,रेस्टोरेंट और छोटे कारोबारियों को कुछ हद तक राहत दी गई है। ताजा कटौती में कोलकाता में कमर्शियल सिलेंडर के दामों में सबसे ज्यादा 6.50 रुपये की कमी की गई है। अब यहां 19 किलो का सिलेंडर 1,694 रुपये में मिल रहा है,जबकि अक्टूबर में इसका रेट 1,700.50 रुपये था। इसके अलावा, मुंबई में 19 किलो एलपीजी सिलेंडर का नया रेट 1,542 रुपये हो गया है, जो पिछले महीने से 5 रुपये कम है। वहीं चेन्नई में इसकी कीमत 1,750 रुपये तय की गई है, जो अक्टूबर के मुकाबले 4.5 रुपये कम है।

मुंबई हवाई अड्डे पर 47 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त, महिला समेत 5 लोग गिरफ्तार

मुंबई,01 नवम्बर 2025। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बड़े पैमाने पर अवैध सोना, कीमती सामान और ड्रग्स, कोकीन आदि की तस्करी हो रही है। अक्सर कस्टम इस तस्करी को नाकाम कर देती है। इस बीच राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की मुंबई क्षेत्रीय इकाई ने ड्रग्स की तस्करी के खिलाफ एक बड़े अभियान में 47 करोड़ रुपये मूल्य का कोकीन जब्त किया है। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक महिला यात्री से लगभग 4.7 किलोग्राम कोकीन जब्त किया गया है। इस कोकीन का अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य 47 करोड़ रुपये

आंका गया है। बताया गया है कि विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर, डीआरआई के अधिकारियों ने कोलंबो से मुंबई आई एक महिला यात्री को हवाई अड्डे पर रोका। उसके सामान की जाँच करने पर, कॉफी पाउडर के नौ पैकेटों में सफेद रंग का पदार्थ छिपा हुआ पाया गया। एनडीपीएस फील्ड टेस्ट किट से जाँच करने पर पता चला कि वह कोकीन है।

हमने कभी नमाज के वक्त हमला नहीं किया,ऑपरेशन सिंदूर धर्म युद्ध, यह जारी रहेगा : आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी

नई दिल्ली,01 नवम्बर 2025। भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी शनिवार को सतना में हैं। वे 53 साल बाद अपने बचपन के स्कूल सरस्वती हायर सेकेंडरी स्कूल पहुंचे। आर्मी चीफ ने कहा-ऑपरेशन सिंदूर एक धर्म युद्ध था, यह आगे भी जारी रहेगा। हमने किसी भी निर्दोष को नुकसान नहीं पहुंचाया, न ही नमाज या किसी भी धार्मिक प्रार्थना के समय हमला किया। आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी ने बताया कि 1971-72 में चौथी क्लास में इस स्कूल में पढ़े हैं। इतने सालों बाद अपने स्कूल लौटकर वह भावुक हो गए।

आर्मी चीफ बोले-ऑपरेशन सिंदूर ने देश को बांधा : उन्होंने कहा- ऑपरेशन सिंदूर ने पूरे देश को एक सूत्र में बांधा। सिद्धांत और तकनीक के संयोजन से मिशन सफल

हुआ। पाकिस्तान को साफ संदेश दिया कि हम धर्म युद्ध के अनुयायी हैं और आगे भी यही नीति अपनाएंगे।

स्कूल से मिली निर्णय लेने की क्षमता : स्कूल के दिनों में सीखी निर्णय क्षमता ने मुझे सेना में कई सफलताएं दिलाईं। चौथी कक्षा में यहीं से निर्णय लेने की क्षमता मिली, इसी ने ऑपरेशन सिंदूर में निर्णायक सफलता दिलाई। यह वही स्कूल है, जिसने जनरल द्विवेदी के व्यक्तित्व और राष्ट्र सेवा के संकल्प को मजबूत किया। जनरल द्विवेदी ने छात्रों से कहा- सफलता की नींव विद्यार्थी जीवन में ही रखी जाती है। उन्होंने सफलता का मंत्र Three-A बताया। उन्होंने कहा कि Attitude से सकारात्मक दृष्टिकोण और पॉजिटिविटी आती है। Adaptibility से आप अपने अंदर समय के साथ बदलाव ला सकते हैं और Ability आपको हर क्षेत्र में सफलता दिलाएगी। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम करने वाला ही भविष्य में देश का निर्माण करता है। आप वर्दी में हों या सिविल ड्रेस में, राष्ट्र सेवा में अपना योगदान दें। यह देश हमारा है। जब हम सब मिलकर काम करेंगे, तभी 2047 का विकसित भारत बनेगा।

राजस्थान की फलोदी में ट्रॉले ने टेम्पो को मारी टक्कर : मध्य प्रदेश के चार लोगों की मौत,12 घायल

फलोदी/भोपाल,01 नवम्बर 2025। राजस्थान के फलोदी-बीकानेर नेशनल हाइवे-11 पर शुक्रवार देर रात सड़क किनारे खड़े टेम्पो को एक तेज रफ्तार ट्रॉले ने पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में टेम्पो सवार मध्य प्रदेश के चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ड्राइवर को छोड़कर सभी मृतक और घायल मध्य प्रदेश के रतलाम के रहने वाले हैं। फलोदी के थाना प्रभारी भंवराराम ने बताया कि सभी मजदूर मध्य प्रदेश के रतलाम जिले के आलमपुर ठीकरिया गांव के रहने वाले थे और फसल कटाई के लिए

फलोदी के बाप तहसील स्थित ग्राम सहारणपुरा जा रहे थे। फलोदी के मलार रोड पर भादू रेस्टोरेंट के सामने बीकानेर की तरफ जा रहे ट्रॉले ने टेम्पो को टक्कर मार दी। घटना के बाद आस-पास लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस के कोऑर्डिनेटर भंवरलाल कुमावत दो एंबुलेंस के साथ मौके पर पहुंचे। सभी घायलों को फलोदी जिला अस्पताल पहुंचाया गया। यहां से उन्हें जोधपुर रेफर किया गया। टेम्पो में सवार मध्य प्रदेश के रहने वाले राहुल ने बताया कि गाड़ी में सवार सभी लोग मध्य प्रदेश के थे। मलार रोड पर भादू रेस्टोरेंट के पास ड्राइवर ने दुकान से कुछ सामान लेने के लिए टेम्पो को सड़क किनारे रोका था। इसी दौरान पीछे से आए ट्रॉले ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सभी लोग उछलकर सड़क पर जा गिरे। चीख-पुकार मच गई। फलोदी जिला अस्पताल में पीएमओ डॉ.अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि देर रात सभी घायलों को जोधपुर के एमडीएम हॉस्पिटल के लिए रेफर कर दिया गया था।

सीआई भंवराराम और अन्य पुलिसकर्मी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। थाना प्रभारी भंवराराम ने बताया कि इस हादसे में टेम्पो सवार टीना (12) पुत्री राय सिंह और जगदीश (32) पुत्र रामजी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पूजा (30) पत्नी जगदीश को जोधपुर रेफर किया गया था। रास्ते में ही ओसियां के पास उसने दम तोड़ दिया। इसके अलावा टेम्पो ड्राइवर गोपीलाल की जोधपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई। वह मोटाई, चाखू (फलोदी) का रहने वाला था। पूजा और जगदीश पति-पत्नी थे। हादसे के बाद ट्रॉले का ड्राइवर भगवाना राम पुत्र देवाराम फरार है। वह पल्ली, मतोड़ा (फलोदी) का रहने वाला है। ट्रॉले और क्षतिग्रस्त टेम्पो को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। हादसे में भोला (8), अशोक (8), रामूबाई (35), बाबूलाल (35), किंजन (14), सुगनबाई (30), रोशनी (8), ममता (30), अर्जुन (8), अमृत (59), राहुल (21), कन्हैयाबाई (60) घायल हुए हैं, जिनका उपचार जारी है।

संपादकीय

जहरीली हवा में घुटती सांसें

दशकों से मीडिया व पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोग तथा संगठन, जिस प्रदूषण संकट के प्रति चेताते रहे हैं, उसके घातक परिणाम अब साफ सामने नजर आने लगे हैं। विडंबना यह है कि देश की राजधानी व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र ही नहीं, अब देश के तमाम बड़े-छोटे शहरों से भी जानलेवा प्रदूषण की खबरें आ रही हैं। इस घातक व मारक संकट की पुष्टि बहुचर्चित मेडिकल जर्नल लैंसेट की हालिया रिपोर्ट करती है। रिपोर्ट दावा करती है कि देश की हवा में 2010 की तुलना में साल 2022 तक प्रदूषणवाहक पीएम 2.5 कणों की मात्रा में 38 फीसदी तक का बढ़ावा हुआ है। जिसका घातक प्रभाव यह है कि करीब सत्रह लाख लोग असमय काल-कवलित हो चले हैं। इससे होने वाला आर्थिक नुकसान अलग है। यह कहना कठिन है कि अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका के आंकड़े कितने विश्वसनीय हैं। बहुत संभव है कि सरकारें इन आंकड़ों पर सहमति न जताएं,लेकिन दीपावली के बाद दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत देश के विभिन्न शहरों में प्रदूषण जिस घातक स्तर तक पहुंचा है,वह हालात के गंभीर होने की ओर इशारा तो करता ही है। एक अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी ने दिल्ली को दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर का खिताब भी दिया है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि अस्पतालों में प्रदूषणजनित रोगों का उपचार कराने वाले लोगों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। जीवन के संघर्ष में रोजी-रोटी की कवायद में जुटे लोगों को यह अहसास भी नहीं होता है कि वे दिन में कितनी जहरीली हवा निगल रहे हैं। हमारे शहर केंद्रित विकास की विसंगितयां भी शहरों में प्रदूषण का दायरा बढ़ा रही हैं। शहरों में उगते कंक्रीट के जंगल न केवल हवा के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित कर रहे हैं बल्कि वाहनों के सैलाब को भी बढ़ावा दे रहे हैं। विडंबना यह है कि इसके बावजूद राजनीतिक दलों व सरकारों में वह इच्छाशक्ति नजर नहीं आती, जो इस संकट के कारगर समाधान की राह दिखाती हो।

निश्चित तौर पर प्रदूषण संकट की यह जानलेवा स्थिति हमें शर्मसार करने वाली है। यह हमारी सामूहिक विफलता की तसवीर भी उकेरती है। सर्दियों का मौसम आते ही दिल्ली व निकटवर्ती शहरों में जो प्रदूषण का बड़ा संकट दिखायी देता है,आखिर उसे साल भर सतर्कता के साथ क्यों नहीं देखा जाता। देश में आर्थिक असमानता व गरीबी के चलते लाखों लोग व बच्चे उन अस्वस्थकारी परिस्थितियों में काम करने को बाध्य हैं,जो कालांतर जानलेवा रोगों का सबब बनती हैं। देश में करोड़ों बाल श्रमिक पटाखा, कालीन और अन्य सांस के रोगों का संकट बढ़ाने वाले उद्योगों में काम कर रहे हैं। व्यवस्था का भ्रष्टाचार नियामक एजेंसियों को हिलने तक नहीं देता। दरअसल,यह प्रदूषण मौसमी बदलाव,पटाखों या पराली जलाने से ही नहीं पैदा होता। दरअसल,इसके मूल में शासन-प्रशासन की वह विफलता भी शामिल है, जो वातावरण को जहरीला बनाने वाले उद्योगों तथा निर्माण में उड़ने वाली धूल की सतर्क निगरानी नहीं करती। दरअसल,हमारे जीवन की कृत्रिमता व सुविधाभोगी जीवनशैली ने उन घातक गैसों को बढ़ावा दिया जो ग्लोबल वार्मिंग व प्रदूषण की कारक बनती हैं। इस समस्या का एक पहलू यह भी है कि देश की जनता इस आसन्न संकट के प्रति लगातार उदासीन बनी रहती है। वह चुनावों के दौरान न तो राजनेताओं पर इस संकट के समाधान के लिये दबाव बनाती है और न ही निजी जीवन में ऐसी कोई पहल करती है। इस तरह कहीं न कहीं इस प्रदूषण वृद्धि में हमारी भागीदारी बनी हुई है। अब भले ही कार्बन उत्सर्जित करने वाले ईंधन के उपयोग में कमी आई है,लेकिन अभी भी इस दिशा में काम करने की जरूरत है। हम निजी जीवन में जितनी स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देंगे,उतना ही प्रदूषण धीरे-धीरे कम होता जाएगा। जनता को शासन-प्रशासन पर दबाव बनाना चाहिए कि वह समय रहते प्रदूषण नियंत्रण के लिये प्रयास करे। व्यक्ति के तौर पर हमें पटाखे व पराली जलाने वालों की निगरानी करनी होगी।

मेहनत,माटी अर मान यही सै हरियाणा की पहचान

डॉ. प्रियंका सौरभ

हरियाणा दिवस कोई सिरफ दिन ना सै,ये तो माटी का त्योहार सै जिथे मेहनत ने भगवान माना जावै,अर पसीना इज्जत बन जावै। खेतां तै अखाड़ां तक,छोरे-छोरियां देश का नाम ऊंचा कर रै सै। ये धरती सै वीरां की, गीता के ज्ञान की,अर एकता के मान की। हरियाणा दिवस सिखावै सादगी, स्वाभिमान अर भाईचारे की बात कि असली तरक्की तब सै, जब माणस अपने धरती तै प्यार करे अर कर्म सै ना हटे। हरियाणा म्हारे लिए सिरफ एक राज्य ना सै,ये तो भावना सै, अपनापन सै,अर गर्व सै। 1 नवम्बर 1966 के दिन जब हरियाणा,पंजाब तै अलग होके एक नया परदेश बन्या,तै किसे ना पता था के ये छोटा सा इलाका एक दिन पूरे भारत मं अपनी पहचान छोड़ जावेगा। इब्ब देख लो,हरियाणा खेती तै लेके खेलां तक,फौज तै लेके कारोबार तक हर जगह अपनी अलग छाप छोड़ै सै। हरियाणा की मिट्टी मं कुछ बात सै भाई। यहीं कुरुक्षेत्र की धरती पर भगवान कृष्णा ने अर्जुन नै गीता का उपदेश दियो था–कर्म कर, फल की चिंता मत कर। इसी माटी की गोद मं पानीपत के रण लड़े गए, जां वीरां नै अपनी जान दाव पर लगा दी। हर कदम पर इतिहास बसै सै इस धरती का, अर इस धरती नै इतिहास रचण की आदत सै। किसानां की बात करां त हरियाणा का किसान सबसे मेहनती सै। सूरज चढ़ण तै पहले खेत मं पहुंच जावै सै, अर सूरज डूबे तै बाद घर आवै सै। माटी नै सींचण की ताकद इब्ब भी इस परदेश के हाथां मं सै। दूध-दही की धरती कहे सै इस नै, अर सच मं, यहाँ के घर-घर मं घी की खुशबू, लस्सी की ठंडक अर सच्चाई की मिठास बसै सै। हरित क्रांति में हरियाणा नै जो योगदान दियो, वो कोई भूल ना सकै। खेती मं नई तकनीक लाण, पानी की बचत करण अर जमीन नै उपजाऊ बनावण ये सब इस राज्य की पहचान सै। किसान इब्ब सिरफ हल चलावण वाला ना रह्या, वो उद्यमी बन ग्या सै, तकनीक जाणन लाग्या सै, अर खेती नै इज्जत दिलावण लाग्या सै। खेलां की बात आवै त हरियाणा सै ओ धरती, जां मिट्टी की खुशबू पसीने मं बदल जावे सै। बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक, नीरज चोपड़ा, बबीता-विनेश फोगाट–ये सब नाम सिरफ पदक ना, परिश्रम की मिसाल सैं। गाँवां मं अखाड़े सै, पर वो सिरफ कुश्ती के मैदान ना, वो संस्कार के मंदिर सैं। छोरियां भी इब्ब कम ना–ओलंपिक तक का सफर तय कर री सैं। पहले लोग कहतै थे 'बेटा जरूरी सै ', इब्ब हरियाणा कहै सै 'छोरी भी कम ना सै।' 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' सिरफ नारा ना रह्या, इस नै समाज बदल दियो। हरियाणा की छोरियां आज पढ़ लिख के फौज मं, स्कूलां मं, खेलां मं, दफ्तरां मं, हर जगह नाम कमावै सैं। ओ साबित कर रई सैं के हरियाणा की माटी मं साहस सिरफ मर्दां का ना, नारी का भी सै। संस्कृति की बात करां त हरियाणा का लोकजीवन सादा पर रंगीन सै। यहाँ तीज-त्योहारां का मेला लागै सै–फाग गाऊं, झंझ बजाऊं, ढोलक की थाप पे नाचू। हर गीत मं अपनापन सै, हर रागनी मं कहानी सै। हरियाणवी बोली भले कड़ी लागै, पर सच्चाई की मिठास सै इस मं। यहाँ का आदमी दिल का साफ सै–बोलन मं सीधा, करन मं सच्चा। गुरुग्राम,फरीदाबाद,पानीपत, हिसार–इब्ब उद्योग और शिक्षा के केंद्र बन चुके सैं। शहर चमक रए सैं, पर गाँवां की मिट्टी आज भी अपनापन ना छोड़ै सै। हरियाणा की प्रति व्यक्ति आमदनी देश मं सबसे ऊपर सै, अर ये मेहनत का नतीजा सै। पर चुनौतियाँ भी सैं बेरोजगारी, प्रदूषण,पानी की कमी अर जात-पात की दीवार इन नै मिटावण की जिम्मेदारी हम सबकी सै। हरियाणवी लोग सीधे सैं, पर दिल के सच्चे सैं। झूठ नै नफरत करैं, मेहनत नै इबादत मानैं।

प्लास्टिक मुक्त होटल स्थायी आतिथ्य के भविष्य को कैसे दे रहे हैं आकार

डिजिटल परिवर्तन प्लास्टिक को कम करने में प्रौद्योगिकी एक शक्तिशाली सहयोगी के रूप में उभरी है। होटल डिजिटल कुंजी ऐप्स,क्यूआर कोड मेनू के साथ मुद्रित ब्रोशर और ऑनलाइन चेक-इन सिस्टम वाले पेपर फॉर्म से प्लास्टिक की कुंजी कार्ड बदल रहे हैं,जिससे अतिथि सेवाओं में भारी कमी आई है। प्लास्टिक मुक्त होटलों में मेहमानों के अनुभव को बेहतर बनाना प्लास्टिक मुक्त का मतलब लक्जरी पर समझौता नहीं है। वास्तव में इको-होटल विचारशील स्पर्श प्रदान करते हैं जो समग्र अनुभव को बढ़ाते हैं: व्यक्तिगत पुनः भरने योग्य पानी की बोतलें,कार्बनिक स्नान उत्पाद,न्यूनतम प्राकृतिक सजावट,शैक्षिक इको टूर और स्थानीय स्रोत वाले भोजन के अनुभव...

विजय गर्ग
मलोट,पंजाब

वैश्विक आतिथ्य में स्थिरता एक निर्धारक प्रवृत्ति बन गई है। हर साल लाखों टन प्लास्टिक महासागरों और कूड़ेदानों में समाप्त होने के कारण,होटलों को उनके पर्यावरणीय प्रभाव पर बढ़ती जांच का सामना करना पड़ रहा है। लघु शौचालय और बोतलबंद पानी से लेकर एकल उपयोग की कटलरी और पैकेजिंग तक, प्लास्टिक लंबे समय से मेहमानों के लिए डिफ़ॉल्ट सुविधा समाधान रहा है। हालांकि, आज प्लास्टिक मुक्त होटलों की एक नई लहर इस कथा को बदल रही है, जिससे यह पता चलता है कि विलासिता, आराम और पर्यावरणीय जिम्मेदारी सह-अस्तित्व कर सकती है। एकल-उपयोग प्लास्टिक उनकी लागत प्रभावीता और सुविधा के कारण आतिथ्य उद्योग में एक प्रमुख वस्तु रही है। फिर भी,पर्यावरण की लागत आश्चर्यजनक है। शोध से पता चलता है कि 200 कमरे की एक होटल हर महीने 300,000 प्लास्टिक वस्तुएं उत्पन्न कर सकती है, जो टूथब्रश और कपड़े धोने के बैग से लेकर पानी की बोतलों और पैकेजिंग तक होती हैं। इनमें से अधिकांश अपशिष्ट महासागरों या कूड़ेदानों में समाप्त हो जाते हैं, जहां नष्ट होने में सैकड़ों वर्ष लग सकते हैं,जिससे सतत विकल्पों की तत्काल आवश्यकता होती है।

पारिस्थितिक-नवीनतापूर्ण होटल एकल उपयोग प्लास्टिक को कैसे समाप्त कर रहे हैं प्लास्टिक मुक्त होटल केवल प्लास्टिक को हटाते नहीं हैं-वे स्मार्ट, हरित विकल्पों के माध्यम से अतिथि सेवाओं की पुनः कल्पना कर रहे हैं। आतिथ्य में नवाचार मेहमानों के अनुभव को बेहतर बनाने के साथ-साथ अपशिष्ट कम करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। प्रमुख रणनीतियों में शामिल हैं पुनः भरने योग्य शौचालय उपकरण पारंपरिक लघु शैम्पू और कंडीशनर की बोतलों को बाथरूम में लगाए गए बल्क डिस्पेंसर से बदल दिया जा रहा है। ये डिस्पेंसर, अक्सर ग्लास, सिरेमिक या स्टेनलेस स्टील से बने होते हैं और प्राकृतिक त्वचा देखभाल ब्रांडों से प्राप्त पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों से भरे जाते हैं। विशेष रूप से लक्जरी होटल यह सुनिश्चित करते हैं कि यह बदलाव मेहमानों के अनुभव को जोखिम में न डाले, सुविधा और स्थिरता का संयोजन करें। फिल्टर किए गए जल प्रणालियाँ प्लास्टिक की पानी की बोतलें होटल के कचरे में सबसे अधिक योगदान देती हैं। कई पारिस्थितिक रूप से जागरूक गुण अब घर में जल शुद्धीकरण प्रणाली स्थापित करते हैं और पुनः भरने योग्य ग्लास या एल्यूमीनियम बोतलें प्रदान करते हैं। सिक्स सेंसेस जैसे रिसॉर्ट्स ने बोतलबंद पानी को पूरी तरह से समाप्त कर दिया है,जिससे मेहमानों को अपनी टिकाऊ बोतलें भरने और संरक्षण प्रयासों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। बायोडिग्रेडेबल और प्राकृतिक सुविधाएं होटल प्लास्टिक शौचालय और व्यक्तिगत देखभाल वस्तुओं को स्थायी विकल्पों से बदल रहे हैं। बांबू दांतों के ब्रश,कंबल और रेजर आम हो गए हैं, जबकि अब दंत किट और कान बुब्स रीसायकल पेपर पैकेजिंग में आते हैं। ये छोटे-छोटे परिवर्तन एक हरे रंग की छवि को बढ़ावा देते हुए सामूहिक रूप से प्लास्टिक कचरे को काफी कम करते हैं। प्लास्टिक मुक्त भोजन भोजन होटल में एकल उपयोग प्लास्टिक का एक और प्रमुख स्रोत है। इको-होटल पुनः प्रयोज्य टेबलवेयर,कागज में लपेटे गए बर्तन,बायोडिग्रेडेबल लेआउट बॉक्स, प्राकृतिक फाइबर नैपकिन और धातु या बांस पट्टियाँ अपनाकर नवाचार कर रहे हैं। बफेट चिपकने वाली फिल्म के बजाय ग्लास ढक्कन का उपयोग करते हैं, और कमरे की सेवा प्लास्टिक ढक्कों या कंटेनरों से बचती है। इन प्रयासों से भोजन की प्रस्तुति या स्वच्छता पर कोई समझौता किए बिना अपशिष्ट कम हो जाता है। सतत गृहनिर्माण होटल रोजमर्रा की गतिविधियों में स्थिरता को एकीकृत कर रहे हैं। कार्यक्रमों में लिनन का पुनः उपयोग,धोने योग्य कपड़े धोने वाले बैग,रीफिल करने योग्य सफाई उत्पाद और कमरे पर आधारित अपशिष्ट पृथक्करण डिब्बे शामिल हैं। कई संपत्तियों में केंद्रीय रीसाइक्लिंग स्टेशन भी उपलब्ध हैं, जो मेहमानों और कर्मचारियों को कचरे की कमी में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। बुकिंग डॉट कॉम द्वारा 2024 में किए गए सर्वेक्षण से पता चला कि 76% यात्री पर्यावरण के अनुकूल आवास पसंद करते हैं, तथा 65% स्थायीता-आधारित सेवाओं के लिए अधिक भुगतान करने को तैयार हैं। ये संख्याएं जिम्मेदार पर्यटन की बढ़ती मांग को रेखांकित करती हैं, जिससे प्लास्टिक मुक्त होटलों को न केवल नैतिक बल्कि व्यावसायिक रूप से भी समझदार माना जाता है। प्लास्टिक मुक्त आतिथ्य का भविष्य प्लास्टिक मुक्त आतिथ्य पर्यावरण के अनुकूल प्रवृत्ति से अधिक है-यह यात्रा नैतिकता को पुनः परिभाषित कर रहा है। एकल-उपयोग प्लास्टिक को समाप्त करके होटल साबित कर रहे हैं कि स्थिरता सुरुचिपूर्ण, कार्यात्मक और लाभदायक हो सकती है। यह आंदोलन नेतृत्व, जिम्मेदारी और भविष्य की पीढ़ियों के लिए ग्रह की रक्षा के बारे में है। जैसे-जैसे अधिक होटल प्लास्टिक मुक्त प्रथाओं को अपनाते हैं, यात्री जिम्मेदार ठहरने और पारिस्थितिक जागरूक पहलों का समर्थन करके महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नवाचार, जागरूकता और सामूहिक कार्रवाई के साथ, आतिथ्य का भविष्य एक ही समय में शानदार और पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ हो सकता है।

बिहार से राहुल की दूरी,महागठबंधन के लिये खतरे का संकेत तो नहीं

संजय सक्सेना
लखनऊ

बिहार विधानसभा चुनाव के इस महत्वपूर्ण दौर में गांधी परिवार,विशेषकर राहुल गांधी, शुरू में काफी एक्टिव नजर आए थे, लेकिन जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आया, उनकी सक्रियता में जबरदस्त कमी देखी जा रही है। शुरुआत में कांग्रेस के बड़े नेता प्रचार के लिए बिहार पहुंचे, कई चुनावी सभाएं की, समर्थकों को जोश दिलाया और गठबंधन के विजन का प्रचार किया। लेकिन हाल के दिनों में पूरा गांधी परिवार, चाहे वह सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी या स्वयं राहुल गांधी हों, मंच से गायब हैं। गांधी परिवार ने बिहार से ही दूरी नहीं बना ली है, वह अपने बिहार के नेताओं से भी संपर्क में नहीं है। यह बदलाव केवल फुटेज की राजनीति नहीं, बल्कि इसके पीछे कुछ सियासी समीकरणों की भूमिका मानी जा रही है। कांग्रेस इस चुनाव में महागठबंधन के हिस्से के तौर पर लगभग 55-60 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। सीटों की साझेदारी को लेकर शुरू से ही जद्दोजहद रही थी, पर महागठबंधन यानी आईएनडीआई गठबंधन के तहत तेजस्वी यादव के नेतृत्व में सभी घटक दलों ने सीटों को बांटा, जिसमें कांग्रेस को अपेक्षाकृत कम सीटें मिलीं। यह खुद को राष्ट्रीय पार्टी मानने वाली कांग्रेस के लिए किसी न किसी रूप में सीमित प्रभाव का प्रतिबिंब है।

राहुल गांधी एवं गांधी परिवार की दूरी के कई कारण सामने आ सकते हैं। पहला कारण यह है कि शुरुआत में भले ही गठबंधन ऑल इंडिया स्तर पर सशक्त दिख रहा था, लेकिन बिहार की जमीनी राजनीति में जैसे-जैसे चुनावी हवा बनी, कांग्रेस और महागठबंधन की स्थिति उतनी मजबूत नहीं दिखी। जेडीयू और बीजेपी के कुशल प्रचार, मोदी सरकार की योजनाओं की चर्चा और एनडीए के एकजुट नेतृत्व के सामने विपक्षी दलों में बिखराव नजर आया। ऐसे में संभव है कि राहुल गांधी ने सोचा हो कि बिहार का चुनाव अगर उन्हीं के चेहरे के साथ लड़ा गया, तो हार की जिम्मेदारी उनके ऊपर आ सकती है। इसलिए वह चुनावी मैदान से खुद को दूर रखकर हार का ठीकरा तेजस्वी यादव या अन्य नेताओं के सिर जाने देना चाहते हैं, ताकि आगे के चुनावों में अपनी छवि बचाई जा सके। दूसरी बात ये भी सामने आती है कि गांधी परिवार का प्रभाव बिहार की राजनीति में उतना मजबूत नहीं है, जितना उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश या राजस्थान में है। बिहार में कांग्रेस की जमीनी पकड़ पिछले दो दशकों में कमजोर हुई है,और नई नेतृत्वकारी शक्ति के तौर पर तेजस्वी यादव उभर रहे हैं। ऐसे में अगर गांधी परिवार खुलकर मैदान में आता, तो चुनाव मोदी बनाम राहुल गांधी के तर्ज पर भी लड़ा जा सकता था,और एनडीए को ये मौका मिलता कि वे राहुल गांधी की नेतृत्व क्षमता को चुनौती दें। शायद इसी आशंका से बचने के लिए गांधी परिवार ने किनारा कर लिया, ताकि चुनाव सिर्फ बिहार के स्थानीय नेताओं के मुद्दों से लड़ा जा सके,न कि राहुल गांधी की राष्ट्रीय छवि के चश्मे से।

गांधी परिवार के इस कदम से कांग्रेस प्रत्याशियों को नुकसान होना तय है। चुनावी सभाओं में बड़े नेता की गैरमौजूदगी कार्यकर्ताओं और आम वोटरों में निराशा पैदा करती है। कांग्रेस के प्रत्याशी उम्मीद करते हैं कि राष्ट्रीय नेतृत्व,विशेषकर गांधी परिवार, उनके प्रचार में भाग लेगा,सभा करेगा,जिससे मीडिया में खबर बनेगी और कार्यकर्ता उत्साहित होंगे। गांधी परिवार से दूरी कांग्रेस के प्रत्याशियों को जमीनी समर्थन और प्रचार में पिछाड़ सकती है। साथ ही, महागठबंधन के घटक दलों और वोट ट्रांसफर में भी संकोच आ सकता है, क्योंकि गठबंधन कार्यकर्ताओं को नेतृत्व की स्पष्टता चाहिए होती है। रैली और प्रचार में राहुल की गैर-मौजूदगी ने निश्चित तौर पर कार्यकर्ताओं में मायूसी भर दी है। एक पहलू ये भी है कि चुनाव प्रचार में गैर-मौजूद रहकर गांधी परिवार ने कांग्रेस को चुनावी हार से सीधा लिंक करने से बचा लिया है। अगर तेजस्वी यादव गठबंधन की हार के मुख्य चेहरे बनते हैं, तो राष्ट्रीय मोर्चे पर राहुल गांधी को इतनी आलोचना नहीं झेलनी पड़ेगी। इसमें रणनीतिक सोच भी छिपी है कि आगामी लोकसभा या अन्य राज्यों के चुनाव से पहले राहुल गांधी की छवि बची रहे।

कई राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि बिहार चुनाव का माहौल अगर मोदी बनाम राहुल गांधी बन जाता, तो भाजपा को 'नेशनलाइज' मुद्दा मिलता, जिससे एनडीए अपने राष्ट्रीय नेतृत्व को उभारता और विपक्षी गठबंधन तुष्टिकरण, बेरोजगारी या स्थानीय मुद्दों की जगह राष्ट्रीय नेतृत्व की तुलना में फंस जाता। गांधी परिवार का किनारा करना इस रणनीतिक सोच का हिस्सा भी हो सकता है कि वे बिहार के चुनाव को सिर्फ बिहार के स्थानीय नेतृत्व का मामला बनने देना चाहते हैं। लब्बोलुआब है कि कांग्रेस और गांधी परिवार की रणनीति अवसरवाद से भी प्रेरित नजर आती है जीत की उम्मीद हो तो प्रचार में पूरी ताकत, हार की आशंका हो तो दूरी। इस रवैये के चलते कांग्रेस प्रत्याशी कमजोर पड़ सकते हैं, और महागठबंधन को चुनावी लाभ नहीं मिलेगा। राहुल गांधी,सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी की राजनीति अब इस हद तक पारंपरिक हो गई है कि मुश्किल की घड़ी में मुद्दों से किनारा करने में गुरेज नहीं। बिहार चुनाव में अगर महागठबंधन हारता है, तो उसकी जिम्मेदारी तेजस्वी यादव, राजद और अन्य स्थानीय दलों के ऊपर डाली जा सकेगी। गांधी परिवार एक बार फिर अपने को चुनाव के मैदान से दूर रख लोकसभा चुनाव के लिए खुद को अपराजित दिखाने की कोशिश करेगा। यानी बिहार का चुनाव मोदी बनाम गांधी परिवार की राष्ट्रीय लड़ाई बनता-बनता रह गया, और स्थानीय नेतृत्व ही केंद्रीय फोकस बन गया।

कविता

अशोक पटेल
आशु तुम्मा
शिवरीनारायण (छ. ग.)

छत्तीसगढ़ के पावन-माटी

छत्तीसगढ़ के पावन-माटी,
जेमा छटके धान के बाली हे,
उपजाउ हे कन्हार-मटासी,
जेहर चन्दन सोनहा-लाली हे।

छत्तीसगढ़ के गुरतुर-भाखा,
कोयली कस मीठ बोली हे,
मन के भौंरा सुनके नाचे,
जईसे संगी के ठिठोली हे।

छत्तीसगढ़ के छतीस-किला,
जईसे छत्तीस ठन दुवारी हे,
इहेंच ल छतीस रोटी-पीठा,
जईसे अईरसा-फरा-सोहारी हे।

छत्तीसगढ़ के गंवई-गाँव
अयोध्या-गोकुल-धाम हे,
इहां के मंदिर देव-देवाला
इहें ल बसे चारो-धाम हे।

छतीसगढ़ के नदिया-नरवा
गंगा कस पावन-धार हे,
इहां के तरिया घाट-घटौन्धा
चरण-कुंड इहें ल दुवार हे।

छत्तीसगढ़ के तुलसी-चौरा
घर-घर म विराजमान हे,
बिहना-संझा होवय आरती
अंगना ह तीरथ-समान हे।

छत्तीसगढ़ के मड़ई-मेला
मेल-मिलाप के पहिचान हे,
हमर संस्कृति हमर बड़ाई
इही म हमार अभिमान हे।

नन्हें बच्चों के कुपोषण से जुड़े प्रश्न चिन्ह

संजीव ठाकुर
रायपुर,छत्तीसगढ़

बच्चे किसी भी राष्ट्र की सबसे मूल्यवान संपत्ति होते हैं, क्योंकि वही आने वाले कल के नागरिक,निर्माता और राष्ट्र के सशक्त स्तंभ बनते हैं। किंतु यदि वही बच्चे कमजोर, कुपोषित और अविकसित रह जाएँ, तो सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत की कल्पना मात्र भ्रम बनकर रह जाएगी। आज भारत में बच्चों का कुपोषण और बाल विवाह जैसी सामाजिक विसंगतियाँ देश के विकास पर गहरे प्रश्नचिह्न खड़े कर रही हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के अनुसार भारत में पाँच वर्ष से कम आयु के लगभग 18.7% बच्चे गंभीर रूप से 'वेस्टिंग' यानी तीव्र कुपोषण के शिकार हैं, जो विश्व में सबसे अधिक दरों में से एक है। यूनिसेफ की 2024 की रिपोर्ट बताती है कि भारत के लगभग हर चौथे बच्चे को गंभीर खाद्य गरीबी का सामना करना पड़ता है। इसका अर्थ यह है कि 25% बच्चों को विविध और पोषक आहार उपलब्ध नहीं हो पाता। ऐसे बच्चे न केवल कमजोर शरीर लेकर बड़े होते हैं बल्कि मानसिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से भी पिछड़ जाते हैं। यह स्थिति भविष्य के नागरिकों की गुणवत्ता और देश की कार्यक्षमता दोनों को प्रभावित करती है।

कुपोषण की जड़ें केवल भोजन की कमी में नहीं, बल्कि असमान संसाधन वितरण, गरीबी, शिक्षा की कमी और सरकारी-सामाजिक तंत्र की कमजोर समन्वय नीति में भी छिपी हैं। भारत सरकार द्वारा पोषण अभियान, मिड-डे मील, आंगनवाड़ी केंद्रों और मातृ-शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों के माध्यम से प्रयास अवश्य किए जा रहे हैं, परंतु परिणाम अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुँच पा रहे। सवाल यह उठता है कि जब अरबों रुपये स्वास्थ्य और विकास योजनाओं पर खर्च किए जा रहे हैं, तो फिर भी बच्चे क्यों कुपोषित हैं? जवाब स्पष्ट है–योजनाओं की जमीनी निगरानी और जनसहभागिता का अभाव। कुपोषण के समानांतर बाल विवाह की समस्या भी उतनी ही गंभीर है। 2006 में बाल विवाह निषेध अधिनियम लागू होने के बावजूद, यूनिसेफ के अनुसार भारत में आज भी लगभग 23% महिलाएँ 18 वर्ष की आयु से पहले विवाह के बंधन में बंध जाती हैं। दक्षिण के शिक्षित राज्य कर्नाटक और तमिलनाडु भी इस सूची में शीर्ष पर हैं। यह विडंबना दर्शाती है कि केवल शिक्षा की उपलब्धता ही पर्याप्त नहीं, बल्कि समाज में मानसिक-सांस्कृतिक जागरूकता आवश्यक है। बाल विवाह न केवल एक लड़की की शिक्षा और आत्मनिर्भरता छीन लेता है, बल्कि उसके शारीरिक और मानसिक विकास को भी बाधित करता है। गर्भधारण के दौरान कुपोषण और स्वास्थ्य-जोखिम बढ़ जाता है, जो अगले पीढ़ी तक दुर्बलता को पहुँचाता है। सामाजिक संगठनों और गैर-सरकारी संस्थाओं (एनजीओ) की भूमिका इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। 'अक्षय पात्र फाउंडेशन' जैसे संगठनों ने स्कूल मध्याह्न भोजन योजना के माध्यम से लाखों बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया है। 'सेव द चिल्ड्रन ', 'स्माइल फाउंडेशन' और 'चाइल्डलाइन' जैसी संस्थाएँ पोषण, शिक्षा और बाल-सुरक्षा के क्षेत्र में जागरूकता अभियान चला रही हैं। किंतु केवल कुछ संगठनों के प्रयास पर्याप्त नहीं – आवश्यकता है एक व्यापक सामाजिक आंदोलन की, जहाँ हर नागरिक अपनी भूमिका को समझे और समाज अपनी जिम्मेदारी को स्वीकार करे। कुपोषण और बाल विवाह की समस्या एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी है। जब कोई बच्ची अल्पायु में विवाह करती है, तो उसका शारीरिक विकास अधूरा रहता है, गर्भावस्था में उसे उचित पोषण नहीं मिल पाता और जन्म लेने वाला बच्चा भी कमजोर होता है। इस प्रकार कुपोषण का चक्र पीढ़ी दर पीढ़ी चलता जाता है। इसे तोड़ने के लिए सरकार, समाज और नागरिक–सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। आज समय है कि पोषण और शिक्षा को केवल सरकारी योजनाओं का हिस्सा न मानकर

सामाजिक दायित्व बनाया जाए। स्कूलों, पंचायतों और आंगनवाड़ी केंद्रों को पोषण-जागरूकता के केंद्रों में बदला जाए। स्थानीय स्तर पर पोषण-समिति बनाकर बच्चों के आहार,स्वास्थ्य जांच और विकास की नियमित निगरानी की जाए। माता-पिता को भी यह सिखाना होगा कि बच्चे को केवल पेट भरना पर्याप्त नहीं, बल्कि पौष्टिक आहार देना आवश्यक है। भारत के लिए यह चिंताजनक है कि वैश्विक भूख सूचकांक में 2024 में वह 125 देशों में 111वें स्थान पर पहुँच गया, जबकि पड़ोसी बांग्लादेश और नेपाल इससे आगे हैं। यह संकेत है कि यदि हमने बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य पर समुचित ध्यान नहीं दिया, तो आर्थिक विकास के बावजूद सामाजिक स्वास्थ्य दरकता जाएगा। समाधान केवल सरकार के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जनजागरूकता, महिला सशक्तिकरण, स्थानीय भागीदारी और सामुदायिक पहल के बिना यह जंग अधूरी है। कुपोषण और बाल विवाह जैसे मुद्दे केवल आंकड़े नहीं, बल्कि उन नन्हीं आँखों का सवाल हैं जिनमें कल का भारत झलकता है। यदि हम आज इन बच्चों को सशक्त, शिक्षित और पोषित नहीं बना सके, तो कल का भारत दुर्बल और दिशाहीन होगा। इसलिए यह समय है कि हर घर, हर विद्यालय और हर समुदाय में यह संकल्प लिया जाए – 'कोई बच्चा कुपोषित नहीं, कोई बाल विवाह नहीं।'

सुविचार

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर होगा मतदाता सत्यापन,7 फरवरी 2026 को अंतिम सूची प्रकाशित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रदेश में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) प्रारंभ कर दिया गया है। इस प्रक्रिया के तहत राज्यभर में मतदाता सूची को अद्यतन करने का कार्य चल रहा है। इसी संदर्भ में, शनिवार को जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में अपर कलेक्टर और उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुनील नायक ने प्रेस वार्ता आयोजित कर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्देशित इस विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत देश के 12 राज्यों, जिनमें छत्तीसगढ़ भी शामिल है, में मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन और पारदर्शी बनाने का कार्य शुरू किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य मृत व्यक्तियों के नामों को सूची से हटाना, स्थायी रूप से निवास बदलने वाले मतदाताओं का नाम हटाना, एक ही व्यक्ति के दो स्थानों पर पंजीकरण को निरस्त करना, और अपात्र व्यक्तियों के नामों को सूची से बाहर करना है। इस अभियान से मतदाता सूची में त्रुटियों को ठीक करने का प्रयास किया जाएगा,ताकि सही जानकारी और सही नागरिकों का नाम इस सूची में शामिल हो सके। उन्होंने यह भी बताया कि इस

पुनरीक्षण प्रक्रिया में मतदाताओं को बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) द्वारा परिगणना फॉर्म उपलब्ध कराया जाएगा। मतदाता को निर्धारित समय सीमा के भीतर इस फॉर्म को भरकर बीएलओ को जमा करना होगा। इस फॉर्म को भरने से पहले मतदाता को दो नवीनतम रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो (सफेद बैकग्राउंड में) और पहचान प्रमाणपत्र को अनिवार्य रूप से संलग्न करना होगा।

28 अक्टूबर 2025 तक की स्थिति : सुनील नायक ने 28 अक्टूबर 2025 तक जिले के मतदाताओं की स्थिति का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि जिले में कुल 680,486 मतदाता हैं, जिनमें 335,376 पुरुष, 345,092 महिला और 18 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। विधानसभा क्षेत्र-09 लुण्ड्रा में 202,085 मतदाता हैं, जिसमें 100,139 पुरुष, 101,942 महिला और 4 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। विधानसभा क्षेत्र-10 अंबिकापुर में 264,890 मतदाता हैं, जिसमें 130,447 पुरुष, 134,431 महिला और 12 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। विधानसभा क्षेत्र-11 सीतापुर में 206,959 मतदाता हैं, जिसमें 101,567 पुरुष, 105,390 महिला और 2 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। विधानसभा क्षेत्र-05 भटगांव में 6,552 मतदाता हैं, जिनमें 3,223 पुरुष और 3,329 महिला मतदाता हैं।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की समय सारणी

प्रेसवार्ता के दौरान नायक ने विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए निर्धारित कार्यक्रम की जानकारी दी। इसके तहत 3 नवम्बर तक फॉर्म का मुद्रण और प्रशिक्षण कार्य पूरा किया जाएगा, जबकि 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक घर-घर जाकर बीएलओ द्वारा सत्यापन किया जाएगा। 9 दिसम्बर 2025 को ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन होगा, और 9 दिसम्बर 2025 से 8 जनवरी 2026 तक दावा-आपत्ति दर्ज की जाएगी। इसके बाद 9 दिसम्बर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक सुनवाई और सत्यापन की प्रक्रिया चलेगी, और अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 7 फरवरी 2026 को किया जाएगा।

गर्लफ्रेंड से बलात्कार कर उसे पुल के नीचे फेंका,आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
सीतापुर थाना क्षेत्र निवासी एक युवक ने 30 अक्टूबर की दोपहर को अपनी गर्लफ्रेंड को मिलने के लिए बुलाया। युवक ने पहले युवती के साथ बलात्कार किया, इसके बाद उसे पुल से नीचे फेंक दिया। उसे मरा समझकर युवक वहां से भाग गया। कुछ देर बाद जब युवती को होश आया तो उसने मोबाइल से घटना की जानकारी पजिन को दी। परिजन उसे पहले इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद युवती ने घटना की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार हर्राटिकरा निवासी इंदल सिंह किंडो (23) ने अपनी गर्लफ्रेंड (23) को 30 अक्टूबर की दोपहर फोन कर मिलने के लिए बुलाया। युवती उससे मिलने पहुंची तो वह उसे बाइक पर बैठाकर घुमाने ले गया। शाम

होने पर उसने सुनसान इलाके में बाइक रोकी और उससे संबंध बनाने के लिए कहा। युवती ने इससे इनकार कर दिया। युवती के इनकार से नाराज इंदल सिंह गोंड़ ने उससे मारपीट की और धमकी दी।

इससे युवती डर गई। उसके बाद युवक ने उसके साथ रेप किया। रेप करने के बाद इंदल ने युवती को गोद में उठाया और कुछ दूर नदी के पुलिया से नीचे फेंककर भाग निकला। पुलिया से नीचे गिरकर युवती घायल हो गई ओर बेहोश हो गई। इंदल सिंह गोंड़ उसे छोड़कर भाग निकला। युवती को जब होश आया तो उसने फोन कर परिजनों को घटना की जानकारी दी। परिजनों ने युवती को हॉस्पिटल पहुंचाया। प्राथमिक इलाज के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। युवती परिजनों के साथ थाने पहुंची और घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई।

सीतापुर थाना प्रभारी सीआर चंद्रा ने बताया कि,सीतापुर पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज किया। आरोपी इंदल सिंह गोड़ को 31 अक्टूबर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के हाथों सम्मानित हुए बलरामपुर के कृष्णा पहाड़ी कोरवा

-संवाददाता-
बलरामपुर,01 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
राजधानी रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25वें वर्षगांठ पर आयोजित रजत जयंती समारोह का मंच उस समय तालियों से गूंज उठा, जब बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के ग्राम गोविंदपुर (सरगढ़ी) के विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय के श्री कृष्णा पहाड़ी कोरवा को देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कर-कमलों से सम्मानित होने का अवसर प्राप्त हुआ। कृष्णा और उनकी पत्नी दोनों दृष्टिबाधित हैं। जीवन की चुनौतियों और सीमित संसाधनों के बीच भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। वर्ष 2023-24 में उन्हें प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत पक्का मकान स्वीकृत हुआ। संकल्प और श्रम से उन्होंने उस आवास को स्वयं के प्रयासों से पूरा किया।

आज वे अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ उसी घर में सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन बिता रहे हैं। सम्मान प्राप्त करते समय कृष्णा पहाड़ी कोरवा के चेहरे पर गर्व और संतोष की आभा थी। मंच से उतरते हुए उन्होंने कहा हम दोनों की आंखें नहीं हैं, पर सपने हैं। प्रधानमंत्री जनमन योजना ने उन सपनों को घर का आकार दे दिया। अब हमारे बच्चों के सिर पर छत है और जीवन में आत्मविश्वास लौटा है। प्रधानमंत्री जी से सम्मान पाना मेरे जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। उनकी यह कहानी बताती है कि जब शासन-प्रशासन की योजनाएँ हर पात्र व्यक्ति तक पहुँचती हैं, तो वे उनका जीवन बदल देती हैं।

पटेल का नेतृत्व और दृढ़ संकल्प इतना मजबूत था कि उन्हें दी गई 'लौह पुरुष' की उपाधि

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
जन शिक्षण संस्थान सरगुजा द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि में लाइवलीहुड प्राचार्य गिरीश गुप्ता एवं जन शिक्षण संस्थान सरगुजा के निदेशक एम सिद्दीकी, शिल्पा पांडे समाज सेविका,काउंसलर प्रीति तिवारी, रमेश यादव उपस्थिति रहे। उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता एम सिद्दीकी ने की। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम कराने का उद्देश्य आज संकल्प और मजबूत नेतृत्व से आजादी के बाद भारत की लगभग 565 रियासतों को एक झंडे के नीचे लाकर देश को एकजुट किए जो कि एक बहुत बड़ी चुनौती थी, लेकिन पटेल के

अथक प्रयासों और दृढ़ निश्चय के कारण ही यह संभव हो पाया, जिसकी वजह से उन्हें यह उपाधि दी गई। गिरीश गुप्ता ने बताया कि पटेल का नेतृत्व और दृढ़ संकल्प इतना मजबूत था कि उन्हें 'लौह पुरुष' की उपाधि दी गई, जो उनकी अडिग इच्छाशक्ति और अटूट संकल्प का प्रतीक है। शिल्पा पांडे ने कहा कि उन्होंने देश को एकजुट करने के लिए जो कार्य किए, वह भारत की एकता और अखंडता का प्रतीक बन गया। उनके इसी योगदान को 'लौह पुरुष' उपाधि से सम्मानित किया गया। साथ ही युवा कौशल विकास और उद्यमिता से प्रेरित छात्रों ने कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और रंगोली प्रतियोगिता,पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, स्पीच प्रतियोगिता, ट्रडिशनल डांस प्रतियोगिता में भाग लिया। कार्यक्रम में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी आने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। जन शिक्षण संस्थान से रूपाली, रुक्मणी जैसवाल, वंदना मानिकपुरी, गीता यादव, अंजू माला, शुभंकर विस्वास, सत्येंद्र यादव, विकास, रेणू यादव आदि सभी की भूमिका रही। साथ ही राष्ट्रीय एकता दिवस की सभी प्रतिभागियों को शपथ दिलाई गई।

देवउठनी एकादशी पर तुलसी-शालिग्राम का विवाह कराकर विधि-विधान से की गई पूजा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जिला मुख्यालय अंबिकापुर सहित पूरे संभाग में शनिवार को देवउठनी एकादशी पर्व श्रद्धा भाव से मनाया गया। श्रद्धालुओं ने गन्ने का मंडप बनाकर तुलसी की पूजा की। देवउठनी एकादशी के साथ मांगलिक कार्य प्रारंभ हो गया। देवउठनी एकादशी को सरगुजा में छोटी दिवाली के रूप में मनाते हैं। इस लिए बाजार में दिवाली की तरह रौनक रही। पूरे दिन गन्ना, फूल माला व अन्य पूजा के सामान खरीदने लोगों की भीड़ लगी रही। लोगों ने दिवाली की तरह की घरों की साफ-सफाई कर शाम को पूजा अर्चना की। इस दौरान लोगों ने अपने-अपने घरों के बाहर आकर्षक रंगोली भी बनाई। इस दौरान गन्ने की जमकर खरीदारी हुई। एक दिन पूर्व ही शहर से लगे ग्रामीण क्षेत्र के किसान गन्ना लेकर पहुंचे थे। गन्ना 50-60 रुपए जोड़ी बिका। इसके अलावा फूल, माला की भी बिक्री जमकर हुई। वहीं देवउठनी एकादशी पर गन्ने के अलावा शकरकंद का भी विशेष महत्व है। दिवाली के बाद पुनः छोटी दिवाली के रूप में देवउठनी एकादशी का इंतजार रहता है। देवउठनी एकादशी पर श्रद्धालुओं ने गन्ने का मंडप बनाकर तुलसी व शालिग्राम का विवाह करायाा। इसके बाद पूरी रात दिवाली की तरह लोगों ने आतिशबाजी की। देवउठनी एकदशी के साथ मांगलिक कार्य शुरू हो गए। मान्यता है भगवान विष्णु 17 जुलाई से देवशयनी एकादशी पर योग निंद्रा में चले जाते हैं। इस लिए मांगलिक कार्य पूरी तरह से बंद हो जाता है। देवउठनी एकादशी पर भगवान विष्णु निंद्रा से जागते हैं। इसके साथ ही शुभ मुहूत व मांगलिक कार्य प्रारंभ हो जाता है।

पत्नी की चरित्रशंका से परेशान पति ने कीटनाशक सेवन कर दी जान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शहर से लगे ग्राम डिगमा निवासी एक व्यक्ति ने पत्नी की चरित्रशंका से परेशान होकर 31 अक्टूबर की रात को कीटनाशक सेवन कर लिया था। उसे इलाज के लिए मिशन अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार कृष्णा दास उम्र 55 वर्ष गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम डिगमा का रहने वाला था। इसका बेटा उत्तम दास ने पुलिस को बताया है मां के मौत के बाद पिता 17-18 वर्ष पूर्व दूसरी शादी बलरामपुर निवासी अनिता दास से की थी। डेढ़ वर्ष से उसका चाल चलन ठीक नहीं था। जोड़ापीपल निवासी एक व्यक्ति के साथ उसका घुमना फिरना होता था। इस बात को लेकर कृष्णा दास परेशान रहता था। गांव में पंचायत के माध्यम से अनिता दास व उक्त व्यक्ति को समझाया गया था। इसके बावजूद भी दोनों अक्सर मिला जुला करते थे और मोबाइल से बात करते थे। इस बात को लेकर 30 अक्टूबर को पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था।

'मन की बात' कार्यक्रम को जन-जन तक पहुँचाने भाजपा ने की जिला स्तर पर जिम्मेदारी तय

प्रदेश नेतृत्व की सहमति से भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने किए प्रभारी एवं सहप्रभारी नियुक्त

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सिंह की सहमति तथा प्रदेश महामंत्री (संगठन) पवन साय की अनुशंसा पर भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 'मन की बात' कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु जिला स्तर पर दायित्व सौंपे हैं। इस क्रम में जन्मजेय मिश्रा को जिला प्रभारी तथा महेंद्र सिंह एवं श्रवण दास को जिला सह-प्रभारी के रूप में नियुक्त किया गया है। उक्त जानकारी भाजपा जिला महामंत्री विनोद हर्ष ने दी। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि 'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह भारत के जन-जन से संवाद का माध्यम है, जो देश की सकारात्मक ऊर्जा और प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने नव-नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के विचारों को समाज के हर वर्ग तक पहुँचाने में संगठन की भूमिका महत्वपूर्ण है। भाजपा कार्यकर्ताओं से अपील की गई है कि वे प्रत्येक माह होने वाले 'मन की बात' कार्यक्रम को मंडल, बूथ एवं वार्ड स्तर तक जनभागीदारी से सुनें और प्रधानमंत्री के संदेशों को जीवन में उतारें।

मणिपुर थाना क्षेत्र से दो अलग-अलग स्थान से बाइक चोरी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
मणिपुर थाना क्षेत्र से दो अलग-अलग स्थान से बाइक चोरी होने की घटना सामने आई है। एक बाइक जिला अस्पताल परिसर से 30 अक्टूबर की शाम को अज्ञात चोर ने पार कर दी। वहीं दूसरी बाइक को सुन्दरपुर चिटकीपारा स्थित घर के आंगन से चोरी होने का मामला सामने आया है। दोनों मामले में मणिपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। जानकारी के अनुसार बृजलाल पैकरा ग्राम असोला का रहने वाला है। इसके भाई को तबियत खराब होने पर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बृजलाल पैकरा 30 अक्टूबर की शाम को भाई के लिए खाना पहुंचाने बाइक क्रमांक सीजी 15 सीके 6337 अस्पताल गया था। वह बाइक को अस्पताल परिसर में खड़ा कर भाई को खाना देने गया था। लगभग 45 मिनट बाद घर जाने के लिए बाहर निकाला तो उसकी बाइक नहीं थी। अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर ली गई थी। वह मामले की रिपोर्ट मणिपुर थाने में दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

दूसरी घटना मणिपुर थाना क्षेत्र के सुन्दरपुर चिटकीपारा की है। गुड्डू बेक मजदूरी का काम करता है। 30 अक्टूबर की शाम को वह बाइक क्रमांक सीजी 15 सीएस 3882 को घर के आंगन में खड़ा किया था। रात करीब 8 बजे घर से बाहर निकला तो उसकी बाइक नहीं थी। अज्ञात व्यक्ति द्वारा घर के आंगन से उसकी बाइक को चोरी कर ली।

गुड्डू ने मामले की रिपोर्ट मणिपुर थाने में दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

थाना गांधीनगर पुलिस टीम द्वारा मामले मे आरोपी के विरुद्ध की गई सख्त वैधानिक कार्यवाही

बीच-बचाव करने एवं सामने लड़ाई झगड़ा नहीं करने की बात बोलने पर आरोपी द्वारा नाराज होकर कारित की गई थी घटना,आरोपी के कब्जे से घटना मे प्रयुक्त टांगी किया गया जप्त

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
मामले के संबंध में बताया गया कि दिनांक 30/10/25 को प्रार्थी मुनेश्वर यादव साकिन गोरसीडबरा थाना गांधीनगर द्वारा का थाना उपस्थित आकर रिपार्ट दर्ज कराया कि दिनांक 30/10/25 को प्रार्थी अपने बाड़ी तरफ था, उसी समय प्रार्थी का चाचा गोपी यादव अपने पत्नी के साथ लड़ाई झगड़ा कर रहा था, जो मौक़े पर प्रार्थी की माँ सोनमतिया बीच बचाव करते हुए सामने लड़ाई झगड़ा नहीं करने की बात बोली जिस बात से चाचा गोपी यादव नाराज होकर प्रार्थी की माँ सोनमतिया को टांगी से सर मे गंभीर चोट कारित कर दिया जो प्रार्थी की माँ मौक़े पर गिर गयी, जिसे देखकर आस पास की महिलाये हो हल्ला किये है और चाचा गोपी यादव मौक़े से

फरार हो गया है, जो मौक़े पर प्रार्थी एवं अन्य द्वारा आहत को इलाज हेतु जिला अस्पताल अंबिकापुर लेकर आय है, और भर्ती कराकर अग्रिम इलाज करा रहे है, आरोपी द्वारा प्रार्थी की माँ को हत्या करने की नियत से टांगी से गंभीर चोट कारित कर हत्या का प्रयास किया है, मामले मे प्रार्थी के रिपोर्ट पर थाना गांधीनगर मे अपराध क्रमांक 620/25 धारा 109(1) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर प्रार्थी एवं गवाहों का कथन लेखबद्ध किया गया, जो मौक़े पर परिस्थिजन्य साक्ष्य एवं भौतिक साक्ष्य से आरोपी गोपी यादव के विरुद्ध धारा सदर का अपराध घटित करना पाये जाने पर आरोपी गोपी यादव का पता तलाश कर पकड़कर पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अपना नाम गोपी यादव आत्मज नान्हू यादव उम्र 62 वर्ष साकिन बिशुनपुर खुर्द गोरसीडबरा थाना गांधीनगर का होना बताया, आरोपी से घटना के संबंध में पूछताछ करने घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया, आरोपी के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त टांगी जप्त किया गया है,आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से प्रकरण मे आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

देव उठनी एकादशी का पर्व श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया

-संवाददाता-
सूरजपुर,01 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
जिले भर में देव उठनी एकादशी का पर्व श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस पावन अवसर पर मंदिरों में भगवान विष्णु और माता तुलसी का पूजन-अर्चन किया गया। जगह-जगह

भजन-कीर्तन के साथ भक्तों ने भगवान विष्णु के जागरण का आयोजन किया। शाम ढलते ही पूरा शहर दीपों की रोशनी से जगमगा उठा—मानो दीपावली का पुनः आगमन हो गया हो। घर-घर, मंदिरों और गलियों में दीप प्रज्वलन से वातावरण भक्तिमय हो उठा। देव उठनी एकादशी के अवसर पर तुलसी विवाह का आयोजन भी बड़ी श्रद्धा के साथ किया गया। श्रद्धालुओं ने शालिग्राम भगवान और माता तुलसी का पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह संपन्न कराया। महिलाओं ने मंगल गीत गाए और पारंपरिक वेशभूषा में इस धार्मिक आयोजन में भाग लिया। पंडितों के अनुसार, देव उठनी एकादशी के साथ ही अब विवाह, उपनयन संस्कार और मांगलिक कार्यों के शुभ मुहूर्त आरंभ हो गए हैं।

कनाडाई पीएम कार्नी ने ट्रम्प से माफी मांगी:टैरिफ के खिलाफ विज्ञापन चलाया था,ट्रम्प ने गुस्से में 10% एक्स्ट्रा टैरिफ लगा दिया...

सियोल,01 नवम्बर 2025। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शनिवार को बताया कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से माफी मांगी है। इसकी वजह एक विज्ञापन था, जिसमें पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के पुराने भाषण का इस्तेमाल करके टैरिफ के खिलाफ मैसेज दिया गया था। दक्षिण कोरिया के ग्यॉंगजू शहर में पत्रकारों से बात करते हुए कार्नी ने कहा-मैंने राष्ट्रपति से माफी मांगी। वह नाराज हो गए थे।

उन्होंने यह भी कहा कि जब वॉशिंगटन तैयार होगा, तब व्यापारिक बातचीत फिर से शुरू हो जाएगी। यह विज्ञापन कनाडा के ओंटारियो प्रांत की सरकार ने चलाया था। ट्रम्प इसे देखते ही गुस्सा हो गए थे। उन्होंने कनाडाई सामानों पर 10% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने की घोषणा की और अमेरिका-कनाडा के बीच व्यापारिक बातचीत रोक दी। इस विज्ञापन में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के शब्दों

का इस्तेमाल किया गया था, जिसमें वे टैरिफ को हर एक अमेरिकी के लिए नुकसानदेह बता रहे थे। अमेरिका ने कनाडा पर 35% टैरिफ लगा रखा है। नए ऐलान के बाद यह 45% हो गया। भारत और ब्राजील के बाद यह सबसे ज्यादा टैरिफ है।

बेसबॉल मैच के दौरान चलाया गया विज्ञापन

यह विज्ञापन कनाडा के ओंटारियो राज्य ने बनाया था। हालांकि ट्रम्प के नाराज होने के बाद ओंटारियो के प्रीमियर ने कहा था कि वे रविवार के बाद इस विज्ञापन को वापस ले लेंगे। इसी दौरान शुक्रवार को वर्ल्ड सीरीज के पहले गेम इस विज्ञापन को चलाया गया था। इस घटना के एक दिन बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने टैरिफ बढ़ाने को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया और कहा- कनाडा रंगे हाथों पकड़ा गया है, जिसने रोनाल्ड रीगन के टैरिफ पर दिए गए भाषण को लेकर एक फर्जी विज्ञापन चलाया। रीगन को राष्ट्रीय सुरक्षा और अर्थव्यवस्था से जुड़े मकसद के लिए टैरिफ बहुत पसंद थे, लेकिन कनाडा ने कहा कि उन्हें पसंद नहीं थे। ट्रम्प ने आगे कहा,कनाडा को वह विज्ञापन तुरंत हटा देना चाहिए था लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। जानते हुए कि यह एक धोखाधड़ी है, कल रात इसे वर्ल्ड सीरीज के दौरान चलने दिया गया। बता दें कि वर्ल्ड सीरीज अमेरिका और कनाडा में खेले जाने वाले बेसबॉल खेल की सालाना चैंपियनशिप सीरीज है। ट्रम्प के ऐलान के बाद अभी यह साफ नहीं कि वे इस एक्स्ट्रा टैरिफ को लगाने के लिए किस कानूनी अधिकार का इस्तेमाल करेंगे। व्हाइट हाउस ने इस बात की भी जानकारी नहीं दी है कि यह 10% एक्स्ट्रा टैरिफ किस तारीख से लागू होगा।

ट्रम्प बोले- कनाडा जो किया वह गलत

ट्रम्प ने कनाडाई पीएम के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मुझे कार्नी पसंद हैं, लेकिन उन्होंने जो किया वह गलत था। उन्होंने विज्ञापन के लिए माफी मांगी क्योंकि वह झूठा था। उन्होंने दावा किया कि रोनाल्ड रीगन टैरिफ पसंद करते थे और कनाडा ने इसे उल्टा दिखाने की कोशिश की। ट्रम्प ने साफ कहा कि व्यापारिक बातचीत अभी शुरू नहीं होगी। ट्रम्प के टैरिफ से कनाडा की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ है, और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी उन्हें कम करने के लिए ट्रम्प के साथ काम करने की कोशिश कर रहे हैं। जेपी मॉर्गन की रिपोर्ट के मुताबिक इस टैरिफ से अगले 5 साल में कनाडा की जीडीपी में लगभग 1.2% का नुकसान हो सकता है। कनाडा के तीन-चौथाई से अधिक निर्यात अमेरिका को जाते हैं, और लगभग 3.6 अरब कनाडाई डॉलर (2.7 अरब अमेरिकी डॉलर) मूल्य का सामान और सेवाएं प्रतिदिन सीमा पार करते हैं। अमेरिका ने कनाडा पर 35% टैरिफ लगाने के अलावा स्टील और एल्युमीनियम पर 50% टैरिफ लगा रखा है। हालांकि अमेरिका में अधिकांश सामान यूएस-कनाडा-मेक्सिको समझौतेके तहत आते हैं, और टैरिफ से मुक्त हैं। ट्रम्प और कार्नी दोनों मलेशिया में आयोजित होने वाले दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे।

दक्षिण चीन सागर में चीन के बढ़ते दखल पर अमेरिका नाराज,आसियान देशों से सख्त रुख अपनाने की अपील

कुआलालंपुर,01 नवम्बर 2025। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने शनिवार को दक्षिण पूर्व एशियाई देशों (आसियान) से अपील की कि वे दक्षिण चीन सागर में चीन की अस्थिर करने वाली गतिविधियों के खिलाफ एकजुट होकर सख्त रुख अपनाएं और अपनी समुद्री क्षमताओं को मजबूत करें। मलयेशिया में आसियान सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक को संबोधित करते हुए हेगसेथ ने कहा कि हाल के महीनों में चीन की आक्रामक कार्रवाइयों में तेजी आई है, जिनमें जहाजों को टक्कर मारना और वाटर कैनन का इस्तेमाल जैसे घटनाक्रम शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं से क्षेत्रीय स्थिरता को गंभीर खतरा पैदा हो रहा है। दक्षिण चीन सागर एशिया के सबसे संवेदनशील विवादित इलाकों में से एक है। चीन इस पूरे क्षेत्र पर दावा करता है, जबकि आसियान के सदस्य देश (फिलीपीन, वियतनाम,मलेशिया और ब्रुनेई) इसके कुछ हिस्सों पर अपने अधिकार का दावा करते हैं। अमेरिका के करीबी सहयोगी फिलीपीन की चीनी जहाजों से कई बार झड़पें हो चुकी हैं। हेगसेथ ने चीन द्वारा 2012 में फिलीपीन से छीन लिए गए

स्कारबोरो शोल को प्रकृति अभयारण्य घोषित करने की हालिया घोषणा की आलोचना की। उन्होंने कहा,आप किसी प्राकृतिक अभयारण्य पर निर्माण नहीं करते। यह चीन की नई साजिश है, जिससे वह अपने दावे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा कि चीन की आक्रामक गतिविधियां क्षेत्रीय संप्रभुता के लिए सीधा खतरा हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका संवाद का पक्षधर है, लेकिन चीन के व्यवहार पर करीबी नजर रखेगा। हम संघर्ष नहीं चाहते, लेकिन हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि चीन किसी देश पर वर्चस्व न जमाए।

लंबित कोड ऑफ कंडक्ट समझौते को जल्द पूरा करने की अपील : हेगसेथ ने आसियान से चीन के साथ लंबित कोड ऑफ कंडक्ट समझौते को जल्द पूरा करने और समुद्री निगरानी एवं त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता बढ़ाने की अपील की। उन्होंने साझा समुद्री क्षेत्र जागरूकता प्रणाली विकसित करने का प्रस्ताव दिया ताकि किसी सदस्य देश पर हमला होने पर सभी को तुरंत सूचना मिल सके। उन्होंने दिसंबर में होने वाले आसियान-अमेरिका संयुक्त नौसैनिक अभ्यास का भी स्वागत किया, जिससे समुद्री सुरक्षा और स्वतंत्र नौवहन सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

चीन ने कहा...अमेरिका उसके क्षेत्रीय मामलों में दखल दे रहा...

उधर,चीन ने अमेरिका की आलोचना को खारिज करते हुए उसे क्षेत्रीय मामलों में दखल देने वाला बताया। चीन ने कहा कि उसकी समुद्री गश्त और निर्माण गतिविधियां पूरी तरह वैध हैं। चीन ने फिलीपीन को उकसाने वाला देश करार देते हुए कहा कि अमेरिका,ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के साथ हाल में हुए दो दिवसीय संयुक्त सैन्य अभ्यास से क्षेत्रीय शांति को नुकसान पहुंचा है। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के दक्षिणी थिएटर कमांड के प्रवक्ता तियान जुनली ने कहा,यह अभ्यास दिखाता है कि दक्षिण चीन सागर में अस्थिरता फैलाने वाला असली देश फिलीपीन ही है

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव की सलाह

भारत पहले रोके रूसी तेल आयात,फिर अमेरिका से टैरिफ घटाने और व्यापार वार्ता की दिशा में बढ़े

नई दिल्ली,01 नवम्बर 2025। भारत को अपने व्यापारिक हितों की रक्षा के लिए अमेरिका के साथ चल रही द्विपक्षीय व्यापार वार्ता में सतर्क रणनीति अपनानी चाहिए। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने यह सुझाव दिया है। इसमें तीन चरणों की योजना सुझाते हुए कहा गया है कि भारत को पहले प्रतिबंधित रूसी कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल से तेल आयात बंद करना चाहिए, ताकि द्वितीयक प्रतिबंधों के खतरे से बचा जा सके।

भारत टैरिफ घटने के बाद ही कर सकता है व्यापार वार्ता

जीटीआरआई के अनुसार, जब ये आयात पूरी तरह बंद हो जाएंगे, तो भारत को अमेरिका पर दबाव बनाना चाहिए कि वह भारतीय निर्यात पर लगाए गए दंडात्मक 25 प्रतिशत रूसी तेल टैरिफ को वापस ले। इसमें कहा गया है कि टैरिफ सामान्य होने के बाद ही व्यापार वार्ता फिर से शुरू करें और वह भी उचित व संतुलित शर्तों पर।

रूसी कंपनियों पर लगे प्रतिबंध ने भारत के लिए स्थिति कठिन बना दी

सरकारी अधिकारियों ने 24 अक्तूबर को कहा कि भारत और अमेरिका महत्वाकांक्षी द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण को अंतिम रूप देने के बहुत करीब हैं। हालांकि, यह प्रगति ऐसे समय हो रही है जब 22 अक्तूबर को वाशिंगटन ने रूसी कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। यह रूस के कुल कच्चे तेल उत्पादन का लगभग 57 प्रतिशत हिस्सा संभालती हैं। इन प्रतिबंधों ने भारत के लिए स्थिति कठिन बना दी है, क्योंकि इसका असर सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि वित्तीय और डिजिटल ढांचे तक पहुंच को भी खतरे में डाल सकता है। अमेरिकी कदमों का असर पहले से ही दिखा है। 31 जुलाई को लगाए गए 25 प्रतिशत रूसी तेल शुल्क के बाद भारतीय वस्तुओं पर कुल शुल्क दर 50 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इसके चलते मई से सितंबर के बीच भारतीय निर्यात में 37 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है।

वित्तीय और डिजिटल ढांचे पर पड़ सकता है असर

जीटीआरआई ने चेतावनी दी है कि अमेरिका के रूस पर लगाए गए द्वितीयक प्रतिबंध अब भारत के लिए व्यापक खतरे पैदा कर सकते हैं। संस्था के मुताबिक, ये प्रतिबंध न केवल व्यापार बल्कि वित्तीय और डिजिटल ढांचे को भी प्रभावित कर सकते हैं। इन प्रतिबंधों के चलते भारत की SWIFT भुगतान प्रणाली तक पहुंच अवरुद्ध हो सकती है,डॉलर आधारित लेनदेन पर रोक लग सकती है और रिफाइनरी, बंदरगाहों और बैंकों से जुड़ी डिजिटल सेवाएं बाधित हो सकती हैं। रिपोर्ट के अनुसार,जहां टैरिफ सीधे निर्यातकों को नुकसान पहुंचाते हैं, वहीं प्रतिबंध पूरी प्रणाली को पंगु बना सकते हैं।

भारत को टैरिफ को 15 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य रखना चाहिए

इसमें यह भी सुझाव दिया कि भारत को यूरोपीय संघ जैसे प्रमुख साझेदारों के समान स्तर हासिल करने की कोशिश करनी चाहिए,यानी औसत औद्योगिक शुल्क को लगभग 15 प्रतिशत तक लाने और कपड़ा, रत्न-आभूषण और फार्मास्यूटिकल्स जैसे प्रमुख क्षेत्रों को ड्यूटी-फ्री पहुंच देने का लक्ष्य रखना चाहिए।

यूक्रेन का मॉस्को में ड्रोन अटैक,400 किमी लंबी फ्यूल पाइपलाइन को निशाना बनाया

मॉस्को,01 नवम्बर 2025। यूक्रेन की खुफिया एजेंसी ने रूस की राजधानी मॉस्को के पास 400 किमी लंबी फ्यूल पाइपलाइन पर हमला किया। इस पाइपलाइन का नाम रिंग है। इस हमले से रूसी सेना को पेट्रोल, डीजल और हवाई जहाज के फ्लूय की सप्लाई रुक गई है। हमले में मॉस्को के दक्षिण-पूर्व इलाके में तीनों मुख्य लाइनें एक साथ तबाह हो गईं। वहां ड्रोन्स

को रोकने का सिस्टम और हथियारबंद गार्ड तैनात थे, लेकिन सब नाकाम रहा। अब पाइपलाइन पूरी तरह बंद है और रूसी सेना को ईंधन नहीं मिल रहा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह पाइपलाइन हर साल 30 लाख टन जेट ईंधन और लाखों टन पेट्रोल-डीजल ले जाती थी। इस नुकसान से रूस की सेना और मॉस्को की अर्थव्यवस्था को भारी झटका लगा है। किरिलो बुडानोव ने कहा कि उनके सीधे हमले दुनिया के सभी आर्थिक प्रतिबंधों से कहीं ज्यादा नुकसान पहुंचा रहे हैं। यह हमला रात भर चले यूक्रेनी ड्रोन हमलों का हिस्सा था। रूस की सेना ने दावा किया कि उसने 10 इलाकों में 98 ड्रोन मार गिराए। मॉस्को के करीब झुकोवस्की शहर में रातभर बिजली गुल रही। तुला शहर में ड्रोन के टुकड़े सड़कों पर गिरे और ट्रैफिक रोक दिया गया।

जमैका में लोग कीचड़-मलबे में खाना ढूंढने पर मजबूर

तूफान मेलिसा के बाद भूख-प्यास से परेशान,बाढ़ का पानी भरा

किंग्सटन,01 नवम्बर 2025। जमैका में कैटेगरी-5 के हरिकेन मेलिसा के टकराने के बाद हालात खराब हो चुके हैं। ब्लैक रिवर शहर में लोग कीचड़ और मलबे में खाने-पीने का सामान खोज रहे हैं। कई लोग टूटी दुकानों और सुपरमार्केट से पानी की बोतलें और जरूरी चीजें निकाल रहे हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, तूफान के बाद पिछले तीन दिनों से शहर में अराजकता और भूख-प्यास का संकट है। सड़कों पर कीचड़, टूटी इमारतें, पलटी नावें और बिखरे वाहन चारों ओर तबाही की तस्वीर पेश कर रहे हैं। बिजली-पानी की सप्लाई बंद है। लोगों का परिवारों से संपर्क टूट गया है। अब तक लोगों को मदद नही मिली बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, लोगों का कहना है कि अब तक इलाके में कोई राहत ट्रक

नहीं पहुंचा है। वे सड़क पर पड़े मलबे या दुकानों में जो कुछ भी मिल रहा है, उसी से गुजारा कर रहे हैं। एक स्थानीय युवक डेमर वॉकर ने कहा, हम सड़क पर जो भी मिल रहा है, वही खा रहे हैं। सुपरमार्केट से पानी लिया, लेकिन हमने दूसरों से भी साझा किया। पास की एक फार्मेसी और दुकानों में भी लूटपाट की घटनाएं हुईं। लोग कीचड़ में सनी दवाइयां और खाना उठाते दिखे। कई दुकानदार अपनी लूटी दुकानों के बाहर पहरा दे रहे हैं।

राजधानी किंग्स्टन एयरपोर्ट पर राहत सामग्री पहुंचनी शुरू हो गई है, लेकिन छोटे एयरपोर्ट और सड़कें क्षतिग्रस्त होने से मदद देर से पहुंच रही है। सेना और राहत एजेंसियों के ट्रक रास्तों के टूटे हिस्सों से गुजरने की कोशिश कर रहे हैं।

तीन दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम व लोक कला की प्रस्तुति,मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े होगीं मुख्य अतिथि

-संवाददाता-
सूरजपुर,01 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत महोत्सव के अवसर पर सूरजपुर जिले में 02 नवंबर से 04 नवंबर तक तीन दिवसीय जिला स्तरीय राज्योत्सव कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन स्टेडियम ग्राउंड सूरजपुर में संपन्न होगा, जिसमें छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, कला और परंपरा की मनमोहक झलक देखने को मिलेगी। कार्यक्रम का शुभारंभ 02 नवम्बर को महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मुख्य अतिथ्य में किया जायेग। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के

अवसर पर मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने सभी जिलेवासियों को शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि राज्य स्थापना का दिन बहुत हम सभी छत्तीसगढ़ वासियो के लिए बहुत विशेष है। हमारे राज्य ने 25 वर्ष पूर्ण किये है। उन्होंने कहा उनकी मनोकामना है कि सभी की सहभागिता से प्रदेश व जिला सूरजपुर निरंतर विकास की दिशा में आगे बढ़े और सुशासन व समृद्धि का प्रतीक बने। इस तीन दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रम में सरगुजा संभाग के लोकप्रिय कलाकार एवं गायक अपनी मनमोहक प्रस्तुतियां देंगे। 02 नवंबर गायिका सुश्री स्तुति जायसवाल, 03 नवंबर को गायक श्री संजय सुरीला, और 04 नवंबर को गायक श्री सुनील मानिकपुरी अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। इसके साथ ही अन्य सांस्कृत कार्यक्रम राजत्सवों की शोभा बढ़ाएंगे।

ग्राम गम्हरिया और विजयनगर में अवैध धान जब्त, संयुक्त टीम ने 590 बोरी धान जप्त कर की कार्यवाही

-संवाददाता-
बलरामपुर,01 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जिले के विकासखंड रामचंद्रपुर में अनुविभागीय अधिकारी श्री आनंद राम नेताम के नेतृत्व में तहसील रामानुजगंज अंतर्गत ग्राम गम्हरिया में मुमताज अंसारी के घर में 240 बोरी व विजयनगर मुसब्बर के घर में 350 बोरी अवैध धान जप्त कर कार्यवाही की गई। इस दौरान तहसीलदार रामानुजगंज श्री मनोज पैकरा, रामचन्द्रपुर अश्विनी चंद्रा,चौकी प्रभारी अश्विनी सिंह सहित राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम मौजूद रही।

रजत जयंती पर छत्तीसगढ़ महतारी को नमन... 108 दीपों की आभा में जगमगाई छत्तीसगढ़ महतारी

-संवाददाता-
सोनहत, 01 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।
सुंदरपुर स्कूल के बच्चों ने रंगोली और दीपों से सजाया रजत जयंती का गौरव दृश्य, सुंदरपुर के विद्यार्थियों ने 108 दीपों से प्रज्वलित की रंगोली, महक उठा परिसर, शिक्षक अमित शर्मा व प्राचार्य भंवर पाल सिंह का सराहनीय सहयोग।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी में रिचेश सिंह का प्रवेश

-संवाददाता-
कोरिया,01 नवंबर 2025
(घटती-घटना)।
बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के सदस्यता अभियान को नई गति मिली,जब रिचेश सिंह ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की, यह आयोजन 'पीला क्रांति मिशन2028 आरी छाप के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।
इस अवसर पर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की उपस्थिति रही राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विधायक श्री तुलेश्वर हीरा सिंह मरकाम,राष्ट्रीय महासचिव श्याम सिंह मरकाम, प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह कमरो, तथा सदस्यता अभियान का नेतृत्व पूर्व प्रदेश संगठन महामंत्री श्री निलेश पाण्डेय ने किया, कार्यक्रम में रिचेश सिंह के पार्टी में शामिल होने का स्वागत करते हुए नेतृत्व ने कहा कि उनका यह कदम गोंडवाना विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने में मील का पत्थर सिद्ध होगा, उन्होंने यह भी कहा कि कोरिया जिले में संगठन को नई ऊर्जा और सशक्त दिशा मिलने की उम्मीद है, विधायक तुलेश्वर मरकाम ने रिचेश सिंह द्वारा गौ-रक्षा एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की और उन्हें संगठन की विचारधारा के प्रचार-प्रसार में सक्रिय योगदान के लिए प्रेरित किया, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी का सदस्यता अभियान निरंतर जनसमर्थन प्राप्त कर रहा है और 'पीला क्रांति मिशन 2028' की दिशा में यह एक और सशक्त कदम माना जा रहा है।

राज्योत्सव में दमकेगा 'कोरिया का विकास मॉडल'

भजन,सूफी धुनों की महक और परंपरागत स्वाद से महकेगा उत्सव स्थल

'अप्रतिम कोरिया' कॉफी टेबल बुक होगी लोकार्पित, विकास यात्रा की झलक दिखाएगा राज्योत्सव

-संवाददाता-
कोरिया,01 नवंबर 2025
(घटती-घटना)।
कोरिया जिले का ऐतिहासिक तीन दिवसीय राज्योत्सव इस वर्ष विशेष आकर्षण के साथ आयोजित होने जा रहा है, 2 से 4 नवम्बर तक बैकुंठपुर के मिनी स्टेडियम में आयोजित इस उत्सव की तैयारियां अंतिम चरण में पहुँच चुकी हैं, कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी और जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी द्वारा उत्सव स्थल का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है ताकि आयोजन को भव्य, सुव्यवस्थित और यादगार स्वरूप दिया जा सके।

विकास यात्रा की झलक एक ही मंच पर-

राज्योत्सव में वर्ष 2000 से 2025 तक के कोरिया जिले के विकास मॉडल को विशेष थीम लेआउट के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, सिंचाई एवं पेयजल परियोजनाएँ, पर्यटन विकास, बिजली, सड़क और ग्रामीण ढांचे के सुदृढ़ीकरण की झलक देखने को मिलेगी, जनसंपर्क विभाग द्वारा जिले की उपलब्धियों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी भी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहेगी, जिसमें विकास की यात्रा को तस्वीरों के माध्यम से जीवंत रूप दिया जाएगा।

'अप्रतिम कोरिया' कॉफी टेबल बुक का विमोचन

राज्योत्सव के मंच से जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर आधारित कॉफी टेबल बुक 'अप्रतिम कोरिया' का मुख्य अतिथि के कर-कमलों से लोकार्पण किया जाएगा। इस पुस्तक में कोरिया जिले के प्राकृतिक सौंदर्य, पर्यटन स्थलों और सांस्कृतिक धरोहर का सुंदर चित्रण किया गया है।

सांस्कृतिक संध्याएं होंगी बेहद खास

राज्योत्सव के दौरान स्कूलों के बच्चों की रंगारंग प्रस्तुतियाँ, भजन-संध्या, सूफी संगीत, लोकनृत्य और लोकगीत जिलेवासियों को सुर, ताल और भावना के अद्भुत संगम में डुबो देंगे।

स्थानीय स्वाद और उत्पादों से महकेगा उत्सव स्थल

उत्सव स्थल पर कोरिया के परंपरागत व्यंजनों का स्वाद और स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री भी की जाएगी। इससे महिला स्व-सहायता समूहों और स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहन और आर्थिक लाभ प्राप्त होगा।

ग्राम पंचायत जमगहना में राज्य स्थापना दिवस पर गृह प्रवेश कार्यक्रम सम्पन्न

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को मिला अपना आशियाना

-संवाददाता-
कोरिया,01 नवंबर 2025
(घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस एवं रजत जयंती वर्ष के अवसर पर ग्राम पंचायत जमगहना में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत के सीईओ सिद्धार्थ खैरवार, जनपद सदस्य सुमित्रा पैकरा, सरपंच दीपा सिंह, सचिव विजय जायसवाल, रोजगार सहायक जयप्रकाश सिंह, योजना प्रभारी संदीप दुबे, तथा आवास हितग्राही अमरनाथ सिंह, लोकनाथ सिंह, कृष्णा पैकरा, तेकश्वर राजवाड़े सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे, कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने लाभार्थियों को गृह प्रवेश की शुभकामनाएं दीं और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सभी पात्र परिवारों को शीघ्र लाभान्वित करने का संकल्प व्यक्त किया।

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं श्रीमती स्वीटी पत्नी उमेश अग्रवाल उम्र 32 वर्ष जाति अग्रवाल निवासी वार्ड नम्बर 09 महालक्ष्मी बाई वार्ड एम जी रोड मारूती सुजुकी के बगल में थाना गांधीनगर तह0 अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 है। विदीत हो कि मेरे नाम से भूमि नमनाकला पटपरिया प.ह.न.20 रा.नि.मं. अम्बिकापुर- 05 तह0 अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 में है जिसका खसरा नम्बर 157 /342 है।

उक्त भूमि जो पूर्व में विक्रेता गुलाब अग्रवाल आ0 सीताराम अग्रवाल निवासी अग्रेसन वार्ड अम्बिकापुर थाना व तह0 अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 एवं केता मनीष अग्रवाल आ0 जयप्रकाश अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी जुनापारा लखनपुर थाना व तह0 लखनपुर जिला सरगुजा छ0ग0 का रजिस्ट्री दिनांक 25.05.2006 को हुई थी जिसका पेपर की मूल प्रति रजिस्टार कार्यालय अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 से प्राप्त हुई थी जो उनके द्वारा मुझे प्रदान किया गया था जिसका बुक नम्बर 01 वालूम नम्बर 05, ग्रंथ क्रमांक 5737 पृष्ठ क्रमांक 38 से 42 डीड नम्बर - 240 है जिसका मूल प्रति मेरे घर शिफ्ट करने के दौरान कहीं गुम हो गया है जो कि काफी प्रयास के बावजूद भी नहीं मिल पा रहा है और न ही मिलने की कोई संभावना है। उक्त रजिस्ट्री की मूल प्रति की गुम की सूचना के सम्बध मै अपना स्वयं का शपथ पत्र प्रस्तुत कर रही हूँ ।
यदि किसी को आपत्ति हो तो 7 दिवस के भीतर अधिवक्ता- आयविना कनौजिया से संपर्क कर सकते हैं
आर.एन.नं0- 17868
मो.नं.-94076 22202

सपथग्रहिता
श्रीमती स्वीटी

डोमन हिल में इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि व सरदार पटेल की जयंती पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अर्पित की श्रद्धांजलि

-संवाददाता-
चिरमिरी,01 नवंबर 2025
(घटती-घटना)
शुक्रवार को चिरमिरी के डोमन हिल में देश की पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दोनों महान नेताओं के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके योगदान को नमन किया, कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने की, उन्होंने कहा कि देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री, आयरन लेडी स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी जी की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। देश की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाली इस महान विभूति के प्रति राष्ट्र सदैव ऋणी रहेगा।

श्रीवास्तव ने साथ ही सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान को याद करते हुए कहा कि पटेल जी ने अपनी अदम्य इच्छा शक्ति और राष्ट्र प्रेम से 500 से अधिक रियासतों को भारतीय संघ में विलीन कर देश की एकता को मजबूत किया। निज़ाम जैसे शासकों को सही दिशा दिखाने और कश्मीर में भारत की शक्ति का परिचय कराने के कारण ही उन्हें लौह पुरुष कहा गया, कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता विनय उपाध्याय ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यदि इंदिरा गांधी न होती, तो पाकिस्तान के दो टुकड़े न होते और बांग्लादेश का निर्माण संभव न होता। वहीं, सरदार पटेल न होते तो भारत आज भी अनेक रियासतों में बंटा रहता।

इस अवसर पर निसार अहमद, शमसुद्दीन बल्लू, सोमनाथ दत्ता, ददन सिंह, राजकुमार दुबे, राजेश्वर श्रीवास्तव, मनोज शर्मा, मोहम्मद इकराम (उप नेता प्रतिपक्ष), रंजन नायक, शाहिद महमूद, राम विशाल, सोहेल सिद्दीकी गोलू, सैफ नियाजी, जफरुल हसन, प्रफुल्ल नाहक, बिलाल अंसारी, ईसरानंद ठाकुर, सुभाष समुंद्रे, हबीब खान, अजय देवांगन, विष्णु कश्यप, विजय नेवार, रमेश नाहक, मंगेश सिंह, आलाम, सुभाष दास, असरफ इमाम खान, राम प्यारे चौहान, शंभू ओझा, अशोक जेना, माइकन अली, सफीर अहमद, चालू साहू, राजेन्द्र चापेकर, संतोष विश्वकर्मा, सुभाष साहू, पुरुषोत्तम सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर डिवाइडर मे कार टकराने से एक मृत,4 गंभीर घायल

-संवाददाता-
कोरबा,01 नवंबर 2025
(घटती-घटना)।
कोरबा जिले में कटघोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग-31 पर ग्राम सुतर्रा के पास एकाएक अनियंत्रित होकर एक कार डिवाइडर से टकरा गई। इस घटना में वाहन चालक की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई, जबकि 4 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल बताये जा रहे हैं। घायलों में तीन की हालत नाजुक बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार उक्त घटना 1 नवंबर की सुबह घटित हुई हैं। कार सवार खैरागढ़ से अंबिकापुर की ओर जा रहे थे। मृतक वाहन चालक की पहचान खैरागढ़ जिले के भवनी निवासी विजय वर्मा (29 साल) के रूप में की गयी हैं। बताया जा रहा हैं की मृतक विजय वर्मा की शादी 9 महीने पहले ही हुई थी, और उनकी मां का निधन शादी से एक साल पहले हुआ था। बताया जा रहा है कि एकाएक वाहन अनियंत्रित हो राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक मोड़ पर सीधे डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर मौजूद लोग सहम गए। राहगीरों की भीड़ जमा हो गई और उन्होंने तत्काल बचाव कार्य शुरू किया। वाहन चालक को कार से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मृत्यु हो चुकी थी। घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से कटघोरा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। हादसे में घायल हुए लोगों में खैरागढ़ जिले के भवनी निवासी तिलेश्वर वर्मा (32 साल) की हालत गंभीर बताई जा रही हैं। अन्य घायलों में भिलाई के जामुल निवासी मकुंदी वर्मा (49 साल), अशोक वर्मा (35 साल) और बोईरडीह निवासी संजय वर्मा (35 साल) आदि शामिल हैं। सभी किसी निज कार्य से यात्रा कर रहे थे। बताया जा रहा हैं की वाहन चालक की बाजू वाली सीट पर बैठे यात्री की हालत नाजुक है।

इस हादसे का एक प्रमुख कारण उस स्थान पर मौजूद डिवाइडर को भी बताया जा रहा है, जहां सड़क बंद है। यातायात पुलिस ने पहले भी इस डिवाइडर को हटाने के लिए एनएच और नाका प्रबंधन को पत्राचार किया था, लेकिन अब तक इसे हटाया नहीं गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस डिवाइडर के कारण लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं। कटघोरा थाना प्रभारी धर्म नारायण तिवारी ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। मृतक और घायलों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है और आगे की कार्यवाही की जा रही है। घायलों का कटघोरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिकित्सालय में इलाज जारी है।

छत्तीसगढ शासन,जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता ,जल संसाधन विभाग
बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया (छ0ग0)

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(द्वितीय आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र.178259 निविदा सूचना क्र.09/वलेलि/2025-26, दिनांक 30.10.2025

निम्नलिखित कार्यों के लिये दिनांक 17.11.2025, (17.30 बजे) तक ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है-
कार्य का नाम- जल संसाधन विभाग बैकुंठपुर के प्रेमबाग सिंचाई कॉलोनी में एफ टाइप क्वार्टर का निर्माण, एच टाइप और आई टाइप क्वार्टर की मरम्मत कार्य, सेप्टिक टैंक का निर्माण, वर्षा जल निकासी संचयन,बाउंड्री वॉल, लैंड स्कैपिंग और बागवानी ।
अनुमानित लागत- रू.295.25 लाख
अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 06.11.2025, समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।
1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है ।
2. निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. 01.08.2010 (संशोधित 22.08.2022)

जी नंबर-252604447/6

कार्यपालनअभियंता
जल संसाधन संभाग बैकुण्ठपुर
जिला-कोरिया छ0ग0

क्या खबर प्रकाशित होते ही आत्मानंद विद्यालयों में 'तुरंत सुधार' का ड्रामा हुआ शुरू ?

घटती घटना
अम्बिकापुर, गुरुवार 30 अक्टूबर 2025
6
आत्मानंद विद्यालयों में भ्रष्टाचार का अड्डा!
प्राचार्य-लिपिक गठजोड़ से विद्यालयों की साख पर दाग

घटती घटना
अम्बिकापुर, शुक्रवार 31 अक्टूबर 2025
6
आखरि कौन है बैकुंठपुर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय का वह ऑपरेटर जो आत्मानंद विद्यालयों में सब कुछ तय करता है?

दैनिक घटती-घटना विशेष रिपोर्ट

आत्मानंद विद्यालयों में गड़बड़ी की खबर से मचा हड़कंप,जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में मची हलचल

दैनिक घटती-घटना की खबर के बाद हरकत में आया शिक्षा विभाग, लीपापोती में जुटे अधिकारी

बिना आदेश जांच, गैस सिलेंडर की 'फौरन डिलीवरी:सूत्र

दो सगे भाइयों की संदिग्ध नियुक्ति और वेतन भुगतान पर उठे सवाल

ऑपरेटर और प्राचार्य की भूमिका पर भी चर्चा तेज,मध्यान्ह भोजन में गड़बड़ी की पुष्टि आधे बच्चे खाते हैं,हाजिरी पूरी लगती है:सूत्र

-संवाददाता-
कोरिया,01 नवंबर 2025
(घटती-घटना)।

दैनिक घटती-घटना में प्रकाशित आत्मानंद विद्यालयों में गड़बड़ी की खबर से शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया,जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से लेकर विद्यालय प्रबंधन तक हरकत में आ गया,खबर छपते ही आनन-फानन में सुधार का दिखावा किया गया कहीं गैस सिलेंडर पहुंचा तो कहीं बिना आदेश जांच के नाम पर लीपापोती शुरू हो गई।

ज्ञात हो की जिला मुख्यालय सहित कुछ अन्य आत्मानंद विद्यालयों में सबकुछ अच्छा नहीं चल रहा है, मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम संचालन में भ्रष्टाचार किया जा रहा है और एलपीजी गैस की जगह लकड़ी और कोयला जलाया जा रहा है,भोजन ग्रहण करने वाले छात्रों से अधिक की हाजिरी भरी जा रही है,दो सगे भाइयों जो आत्मानंद के लिए जुगाड से भर्ती हुए हैं (जैसा सूत्रों का दावा है) वह बिना विद्यालय आए ही वेतन प्राप्त कर रहे हैं और हाजिरी जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में लग रही है जैसी कई शिकायतों की सूचना पर खबर का प्रकाशन किया गया था जिसके बाद सुबह सुबह ही आत्मानंद विद्यालयों में व्यवस्था सुधार का काम शुरू किया गया और कहीं गैस सिलेंडर पहुंचाया गया वहीं दो सगे भाइयों को भी विद्यालय भेजा गया, सब कुछ तत्काल किया गया और ऐसा करके यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि सब कुछ अच्छा चल रहा है,इन सब में बैकुंठपुर के आत्मानंद विद्यालय प्राचार्य ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई वहीं बताए जाता है जांच जैसा कुछ किया गया जरूर लेकिन जांच का आदेश नहीं जारी किया गया जैसा सूत्रों का दावा है, मौखिक या केवल प्राचार्य ने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से कुछ लोगों को बुलाया जो समिति में हैं और लीपापोती उन्होंने मिलकर कर ली,वैसे बैकुंठपुर के प्राचार्य नए नए आए हैं और वह हड़बड़ी में यह भूल गए कि बातें बाहर भी जाती हैं जो या जिसे रोकना संभव नहीं,प्राचार्य ने प्रयास काफी किया कि व्याप्त कमियां उजागर न हो उन्होंने पूर्व के व्यवस्था को भी दोष दिया लेकिन उन्हें मालूम होना चाहिए वर्तमान ही जिम्मेदार होता है व्यव्स्था जिसके जिम्मे होता है, लीपापोती का प्रयास हुआ और यह सब होना साबित कर गया कि खबर सत्य थी और प्राप्त सूचनाएं गड़बड़ी होना जैसी बातें झूठी नहीं थीं,खबर पढ़ते ही प्राचार्य, प्रबंधन और कार्यालय हुए जागृत पर सवाल यह है कि क्या सुधार के नाम पर फिर लीपापोती ही होगी?

खबर पढ़ते ही प्राचार्य, प्रबंधन, कार्यालय हुआ जागृत, हुई लीपापोती

सूत्रों के अनुसार आत्मानंद विद्यालयों में व्याप्त मनमानियों की खबर का जैसे ही प्रकाशन किया गया और जैसे ही उसे सभी ने पढ़ा,प्राचार्य,प्रबंधन और कार्यालय तत्काल जागृत हो गए और सभी ने खबर प्रकाशन दिवस ही मिलकर लीपापोती करने का काम विद्यालय में किया,कार्यालय से तत्काल दो अधिकारी भेजे गए और यह तय किया गया कि सब कुछ बेहतर है और कोई गड़बड़ी नहीं है,बताया जाता है कि कुछ मामलों को चुप्पियों से छिपाए जाने का निर्देश भी दिया गया,सभी जानकारी सूत्रों से प्राप्त जानकारी है और जो बताती है कि आत्मानंद विद्यालयों में गड़बड़ी तो है।

दो सगे भाई अब आयेंगे विद्यालय,प्राचार्य प्रबंधन और कार्यालय की सह पर जो घूम कर प्राप्त कर रहे थे वेतन

सूत्रों ने बताया कि खबर प्रकाशन के बाद जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय का ऑपरेटर घबरा गया,बताया जाता है कि वह प्राचार्य से सांठगांठ स्थापित करने का मुख्य मास्टरमाइंड है,जैसे ही दो सगे भाइयों के विषय में यह बात प्रकाशित हुई कि दोनों बिना विद्यालय आए वेतन उठा रहे हैं जिसके पीछे ऑपरेटर और प्राचार्य की भूमिका है तत्काल दोनों को विद्यालय जाने आदेश दे दिया गया,बताया जाता है कि दोनों सगे भाइयों को स्कूल जाने से मनाही थी वहीं उनकी हाजरी ऑपरेटर के द्वारा कार्यालय में लगाई जाती थी,अब दोनों विद्यालय जायेंगे जो तय हो गया।

गैस सिलेंडर भी पहुंचा विद्यालय,मध्यान्ह भोजन संचालन समूह को भी बचाने बनाई गई योजना:सूत्र

सूत्रों की माने तो खबर प्रकाशन पश्चात प्राचार्य और ऑपरेटर मध्यान्ह भोजन समूह को भी बचाने की कोशिश में लग गए,दोनों ने मिलकर जांच होने से पहले विद्यालय में गैस सिलेंडर मंगवा लिया जो समूह संचालक ने भेजा,अब तक लकड़ी और कोयले पर मध्याह्न भोजन पकाया जाता था,समूह ऑपरेटर के पारिवारिक सदस्य का बताया जाता है जिसे भी बचाने रणनीति बनाई गई है,वैसे पूरी तरह अब योजना के साथ प्राचार्य ऑपरेटर मामले में लीपापोती करने में भीड़ चुके हैं।

दो सगे भाइयों की नियुक्ति की जांच होने से खुलेंगे दबे राज :सूत्र

सूत्रों का कहना है कि आत्मानंद विद्यालयों में कोरिया जिले में दो सगे भाई जो दूसरे जिले के हैं वह लिपिक बनकर काम कर रहे हैं,दोनों भाइयों को लेकर बताया जाता है कि दोनों की नियुक्ति में गड़बड़ी की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता,दोनों की नियुक्ति एक जिले में एक ही प्रकार की संस्था में हुई है,दोनों भाई अन्य जिले जहां या जो उनका गृह जिला है वहां कहीं चयनित नहीं हुए,ऑपरेटर की भूमिका इस मामले में मानी जा रही है,सूत्रों का कहना है यदि जांच हुई आत्मानंद विद्यालयों के भर्ती की जांच हुई कई राज उजागर होंगे।

आधे बच्चे खाते हैं खाना, हाजरी पूरे बच्चों की लगती है...

आत्मानंद विद्यालयों में आधे बच्चे ही मध्यान्ह भोजन करते हैं,हाजरी पूरे बच्चों की लगती है,यह स्पष्ट भ्रष्टाचार लगातार जारी है,इस मामले में निगरानी और नियंत्रण को लेकर कोई व्यवस्था नहीं है,यह विषय शासन को आर्थिक नुकसान पहुंचाने का मामला है।

ऑपरेटर के रिश्तेदार कैसे बन गए कई स्कूलों के मध्यान्ह भोजन संचालक ?

ऑपरेटर के रिश्तेदार एक से अधिक स्कूलों का मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम संचालित कर रहे हैं,उसके एक रिश्तेदार को बैकुंठपुर सहित पटना के स्कूल की जिम्मेदारी मिली हुई है,पटना स्कूल की जिम्मेदारी पटना के समूह को नहीं मिली,यह तथ्य बतलाते हैं कि ऑपरेटर आत्मानंद विद्यालय सहित अन्य शासकीय विद्यालयों के मध्याह्न भोजन कार्यक्रम में पूरा हस्तक्षेप रखता है, वही इस कार्यक्रम में सर्वेसर्वा है।

खबर की पुष्टि और प्रतिक्रिया

सूत्रों के अनुसार, समाचार में जिन गड़बड़ियों का उल्लेख किया गया था, वे सही पाई गईं। मध्यान्ह भोजन योजना में अनियमितता, उपस्थिति में हेराफेरी, और दो सगे भाइयों की संदिग्ध नियुक्ति जैसे मुद्दों पर अब विभाग खुद जांच की बात कह रहा है।

निष्कर्ष (जनहित कोण से)

अगर आत्मानंद विद्यालयों की भर्ती प्रक्रिया और भोजन कार्यक्रम की जांच ईमानदारी से की गई, तो कई दबे राज उजागर होंगे। विभागीय स्तर पर लीपापोती के बजाय पारदर्शी कार्रवाई की मांग अब तेज हो गई है।

किसान सावधान : फसल नुकसान की सूचना 72 घंटे में दें, तभी मिलेगा बीमा का पूरा लाभ

खरीफ 2025 के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना लागू कृषि विभाग ने जारी किए दिशा-निर्देश

-संवाददाता-
एमसीबी,01 नवंबर 2025
(घटती-घटना)।

किसानों को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले फसल नुकसान से आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने हेतु छत्तीसगढ़ शासन ने खरीफ 2025 सीजन के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना लागू की है। इस संबंध में कृषि विभाग ने किसानों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं,उप संचालक कृषि ने जिले के किसानों से अपील की है कि जो किसान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत बीमित हैं, यदि उनकी फसल को असामयिक वर्षा, ओलावृष्टि, सूखा, कीट प्रकोप, बिजली गिरने या किसी अन्य प्राकृतिक आपदा से नुकसान होता है, तो वे 72 घंटे के भीतर संबंधित अधिकारी को सूचना दें, विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समयसीमा में सूचना न देने पर बीमा दावा प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है और किसानों को पूरा लाभ नहीं मिल पाएगा, किसान अपनी शिकायत या नुकसान की जानकारी दर्ज कराने के लिए टोल फ्री नंबर 14447 या 1800-419-0344 पर संपर्क कर सकते हैं।

इसके अलावा किसान अपने नजदीकी लोक सेवा केंद्र, जनपद या तहसील कृषि कार्यालय, बीमा कंपनी कार्यालय या सरकारी टोल फ्री सेवाओं के माध्यम से भी सूचना दे सकते हैं, अधिकारियों ने यह भी बताया कि फसल कटाई के बाद खेत में रखी उपज को आपदा से नुकसान होने पर किसान को 14 दिनों के भीतर सूचना देना अनिवार्य है,समय पर सूचना देने से बीमा दावा शीघ्र प्रक्रिया में लाया जा सकेगा और किसानों को आर्थिक राहत समय पर प्राप्त होगी, कृषि विभाग ने किसानों से कहा है समय पर सूचना देना ही फसल बीमा लाभ का पहला कदम है। किसान अपनी फसलों को सुरक्षित रखने के लिए सजग और सतर्क रहें।

बारिश से फसलों को हुए नुकसान पर किसानों को मिले क्षतिपूर्ति : प्रकाश चन्द्र साहू

लगातार बारिश से किसानों की फसलें बर्बाद होने के बाद यूथ कांग्रेस सोनहत के अध्यक्ष प्रकाश चन्द्र साहू ने किसानों के नुकसान का तत्काल आकलन कर उन्हें क्षतिपूर्ति राशि देने की मांग की है, उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचलों में किसानों की सालभर की मेहनत बारिश और कीट प्रकोप से चौपट हो गई है, पककर तैयार धान की फसलें तेज हवा और बारिश से गिर चुकी हैं, कई जगहों पर बालियों में दाना नहीं निकल पा रहा है, जिससे किसान हताश हैं, प्रकाश साहू ने कहा कि प्रारंभिक बारिश से फसलें लहलहा उठी थीं, लेकिन मौसम के अचानक बिगड़ने और बीमारियों के फैलने से पूरी मेहनत पर पानी फिर गया, उन्होंने शासन से मांग की कि क्षेत्र में फसल नुकसान का सर्वे कर किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस पर युवाओं ने दिखाया जोश

बारिश में भी उमड़ा उत्साह,जिले में 'रन फॉर यूनिटी' का सफल आयोजन

-संवाददाता-
एमसीबी,01 नवंबर 2025
(घटती-घटना)।

भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती एवं राष्टीय एकता दिवस के अवसर पर जिले में शनिवार की सुबह रन फॉर यूनिटी का भव्य आयोजन किया गया,हल्की बारिश के बावजूद नागरिकों,विद्यार्थियों, समाजसेवियों,खेल प्रेमियों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर राष्ट्रीय एकता, सद्भाव और भाईचारे का सशक्त संदेश दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 7:00 बजे पुलिस अधीक्षक श्रीमती रत्ना सिंह के निर्देशन में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, मनेंद्रगढ़ से हुआ, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रतीमा यादव ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ को रवाना किया और उपस्थित प्रतिभागियों को एकता, भाईचारे और सद्भाव को सुदृढ़ करने का संदेश दिया, दौड़ स्वामी आत्मानंद विद्यालय से प्रारंभ होकर पुलिस परेड ग्राउंड, आमा खेरवा तक संपन्न हुई। प्रतिभागियों ने देशभक्ति गीतों और नारों के साथ ÷एक भारत, श्रेष्ठ भारत का नारा लगाते हुए सरदार पटेल के राष्ट निर्माण में योगदान को याद किया तथा उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया, कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों ने राष्टीय एकता की शपथ ली,नागरिकों ने देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने के साथ-साथ समाज में भाईचारे और सद्भाव को बढ़ावा देने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया, इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी,पुलिस अधिकारी, सामाजिक संगठनों और खेल संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी की और नागरिकों को एकजुट राष्ट निर्माण के लिए प्रेरित किया, कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अनिल केशरवानी (पूर्व जिला उपाध्यक्ष), आशीष सिंह (जिला उपाध्यक्ष), आशीष मजुमदार (जिला महामंत्री), सरजू यादव (विधायक प्रतिनिधि), श्रीमती प्रतिमा पटवा (जिलाध्यक्ष, महिला मोर्चा), धमेंद्र पटवा, अर्चना विश्वकर्मा, राजकुमार केशरवानी, सहित अनेक गणमान्य नागरिक, शिक्षकगण और सैकड़ों विद्यार्थी उपस्थित रहे, समापन अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्रीमती रत्ना सिंह और अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्री लिंगराज सिदार ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने बच्चों को स्वच्छता का संदेश देते हुए पुलिस परेड ग्राउंड परिसर में श्रमदान कर स्वच्छता का उदाहरण प्रस्तुत किया, बारिश के बीच भी नागरिकों और विद्यार्थियों का जोश तथा समर्पण सराहनीय रहा, कार्यक्रम ने पूरे जिले में एकता, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम की भावना को और सशक्त किया।

CMYK

ऐश्वर्या राय बच्चन मिस इंडिया में सुष्मिता से हारीं थी

फ्लॉप फिल्मों से शुरुआत,फिर बनीं ग्लोबल आइकन,बेटी के लिए फिल्मों से बनाई दूरी

ऐश्वर्या राय बच्चन की मुस्कान ने दुनिया भर को दीवाना बना दिया। 1994 में मिस वर्ल्ड बनकर उन्होंने भारत का नाम रोशन किया, लेकिन इस मुकाम तक पहुंचने का सफर आसान नहीं था। सुष्मिता सेन के साथ शुरुआती तुलना, कुछ फ्लॉप फिल्मों का दबाव और स्टारडम की चमक में खोने का डर– सब कुछ सहा ऐश्वर्या ने। फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी। अपनी मेहनत और फिल्मों में निभाए दमदार किरदार की वजह से ऐश्वर्या ने खुद को साबित किया और ग्लोबल आइकन बनकर उभरीं। मां बनने के बाद जब उन्होंने फिल्मों से दूरी बनाई, तब भी उनकी शालीनता और पहचान बरकरार रही।

मैंगलोर की साधारण लड़की से विश्व सुंदरी तक

ऐश्वर्या राय ने बचपन से ही एक तेजस्वी व्यक्तित्व दिखाया। पिता कृष्णराज राय मरीन इंजीनियर और मां वृषा राय लेखिका थीं।परिवार के मुंबई बसने के बाद ऐश्वर्या की पढ़ाई आर्य विद्यालय हाई स्कूल और डी.जी. रूपारेल कॉलेज में हुई, जहां उन्होंने आर्किटेक्चर में दाखिला लिया। मगर पढ़ाई के साथ उनका आकर्षण मॉडलिंग की दुनिया की ओर बढ़ चला। कॉलेज के दिनों में शुरू हुई मॉडलिंग जल्द ही बड़े ब्रांड्स तक पहुंच गई। 9वीं कक्षा में कैमलिन कंपनी के विज्ञापन से मॉडलिंग की शुरुआत हुई और 1993 में पेप्सी विज्ञापन में उनका संवाद 'हाय, मैं सन्या हूं' काफी लोकप्रिय हुआ। सादगी और आत्मविश्वास के कारण वे जल्दी फैशन जगत में अपनी पहचान बनाने लगीं।

मिस इंडिया के लिए फिल्म छोड़ी

ऐश्वर्या राय को फिल्म 'राजा हिंदुस्तानी' का ऑफर मिला था, लेकिन उन्होंने यह फिल्म करने से मना कर दिया था। उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि उस समय वे मिस इंडिया प्रतियोगिता में भाग लेने के कारण फिल्मों से कुछ समय के लिए दूर रहना चाहती थीं। ऐश्वर्या ने वोग को दिए एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने मिस इंडिया में भाग लेने का फैसला किया। जिसके कारण उन्होंने 'राजा हिंदुस्तानी' समेत लगभग चार फिल्मों के प्रस्ताव ठुकरा दिए। अगर वे मिस इंडिया में नहीं जातीं, तो शायद 'राजा हिंदुस्तानी' उनकी पहली फिल्म होती।

मिस इंडिया में सुष्मिता सेन से हार गईं...

मिस इंडिया 1994 में सुष्मिता सेन और ऐश्वर्या राय आमने-सामने थीं। इस प्रतियोगिता में ऐश्वर्या राय, सुष्मिता सेन से पीछे रहीं। ऐश्वर्या सेकेंड रनरअप रहीं, जबकि सुष्मिता सेन को यह महसूस हो रहा था कि मिस इंडिया का खिताब ऐश्वर्या राय के लिए पहले से ही तय कर दिया गया है। उस समय ऐश्वर्या पहले से ही एक लोकप्रिय मॉडल और विज्ञापन चेहरा थीं, जबकि सुष्मिता उस वक्त नई थीं। इस वजह से सुष्मिता को लगा कि प्रतियोगिता में जजों की ओर से ऐश्वर्या को ही विजेता घोषित किया जाएगा। वह चेंजिंग रूम में जाकर फूट-फूटकर रो पड़ी थीं। यहां तक कि सुष्मिता ने तब मिस इंडिया का फॉर्म वापस लेने तक का सोच लिया था।

स्टारडम से घबरा गईं थीं सुष्मिता सेन

एड गुरु प्रह्लाद कक्कड़ ने सुष्मिता को समझाया कि जज निष्पक्ष हैं। अंततः सच यही हुआ कि सुष्मिता सेन ने मिस इंडिया का खिताब जीत लिया जबकि ऐश्वर्या राय सेकेंड रनरअप रहीं। सुष्मिता को लगा था कि ऐश्वर्या की लोकप्रियता और पहले से स्थापित स्टारडम के कारण यह प्रतियोगिता उनके लिए हार जैसी थी, इसलिए उन्हें ऐसा महसूस हुआ कि ऐश्वर्या जीतेगी, लेकिन परिणाम उल्टा निकला। एड गुरु प्रह्लाद कक्कड़ ने हाल ही में पत्रकार विक्की लालवानी से बातचीत में बताया कि मिस इंडिया 1994 के दौरान सुष्मिता सेन कैसे भावुक हो गई थीं और मिस इंडिया का फॉर्म वापस लेने तक का सोच लिया था।

मिस वर्ल्ड बनकर रच दिया इतिहास

मिस इंडिया में सुष्मिता सेन से हारने के बाद ऐश्वर्या राय ने मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में भाग लिया। 19 नवंबर 1994 को ऐश्वर्या ने मिस वर्ल्ड का ताज जीता और भारत गर्व से झूम उठा। नीली आंखों और सहज आत्मविश्वास ने उन्हें तुरंत अंतरराष्ट्रीय पहचान दिला दी। उसी साल सुष्मिता सेन ने मिस यूनिवर्स का खिताब जीतकर भारत की पहली मिस यूनिवर्स बनीं। दरअसल, मिस इंडिया की विजेता को मिस यूनिवर्स के लिए भेजा जाता है। इसलिए सुष्मिता सेन को भारत की तरफ मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में भेजा गया था। ऐश्वर्या राय मिस इंडिया प्रतियोगिता में सेकेंड रनरअप रहीं, जिसके बाद उन्हें मिस वर्ल्ड के लिए भेजा गया था।

जीत के बाद बढ़ाया भारत का मान

मिस यूनिवर्स और मिस वर्ल्ड दोनों अलग-अलग संगठनों द्वारा आयोजित की जाती हैं। मिस यूनिवर्स का आयोजन मिस यूनिवर्स ऑर्गनाइजेशन द्वारा किया जाता है, जबकि मिस वर्ल्ड का आयोजन मिस वर्ल्ड लिमिटेड द्वारा किया जाता है। मिस यूनिवर्स में उम्मीदवारों के व्यक्तित्व, बोलचाल और राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व पर अधिक जोर दिया जाता है, जबकि मिस वर्ल्ड में सौंदर्य, फिटनेस और सामाजिक उद्देश्यों के प्रति प्रतिबद्धता पर अधिक ध्यान दिया जाता है। मिस वर्ल्ड बनने के बाद ऐश्वर्या ने दुनियाभर में सामाजिक कल्याण और जनसेवा के कार्यों में भागीदारी निभाई।

ऐश्वर्या राय से ना दोस्ती और ना ही दुश्मनी

उस समय अक्सर ऐश्वर्या राय और सुष्मिता सेन के बीच मनमुटाव की खबरें सुनने को मिलती थीं। हालांकि सुष्मिता सेन ने एक इंटरव्यू में यह स्पष्ट किया था कि दोनों ने हमेशा अपने काम पर ध्यान केंद्रित किया और किसी भी तरह की प्रतिस्पर्धा या मनमुटाव नहीं होने दिया। सुष्मिता सेन ने ऐश्वर्या राय के साथ अपने रिश्ते को लेकर उठ रही अफवाहों पर वाइल्ड फिल्म्स इंडिया के एक इंटरव्यू में स्पष्टीकरण दिया था। उन्होंने कहा कि वे और ऐश्वर्या न तो दुश्मन हैं और न ही गहरी दोस्त, बल्कि दोनों ने अपने-अपने काम पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ब्यूटी पेजेंट के बाद उनके पास एक-दूसरे के साथ समय बिताने का अवसर ही नहीं था। दोनों ने अपने करियर पर ध्यान केंद्रित किया और एक दूसरे के प्रति नकारात्मक भावनाएं नहीं रखतीं। सुष्मिता ने इस बात को गलत बताया कि उनके बीच कोई दुश्मनी या प्रतिस्पर्धा है। उनका कहना था कि दोनों ने अपने क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ बनने की कोशिश की,लेकिन एक दूसरे के खिलाफ नहीं।

संजय लीला भंसाली की पहली पसंद नहीं थीं ऐश्वर्या

मिस वर्ल्ड के बाद 1997 में मणिरत्नम की 'इरुवर' से उन्होंने अभिनय की शुरुआत की और उसी साल 'और प्यार हो गया' से बॉलीवुड में एंट्री ली। हालांकि शुरुआती फिल्में उतनी सफल नहीं रहीं, लेकिन आलोचकों ने उनके अभिनय और स्क्रीन प्रेजेंस की सराहना की। 1999 में रिलीज फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' ने ऐश्वर्या को बॉलीवुड की सुपरस्टार बना दिया। नंदिनी के किरदार में उनकी मासूमियत और भावनात्मक गहराई ने हर दिल जीत लिया। यह फिल्म ऐश्वर्या के करियर की टर्निंग पॉइंट फिल्म थी। हालांकि, ऐश्वर्या इस फिल्म के लिए संजय लीला भंसाली की पहली पसंद नहीं थीं।

सलमान खान की सलाह पर भंसाली ने चुनी ऐश्वर्या राय

भंसाली पहले माधुरी दीक्षित को कास्ट करना चाहते थे,लेकिन उनके डेट्स की समस्या के कारण ऐसा नहीं हो सका। माधुरी के मना करने के बाद, भंसाली ने मनीषा कोइराला के बारे में सोचा, लेकिन मनीषा भी फिल्म नहीं कर पाईं, क्योंकि उस समय मनीषा नेपाल में अपने जीवन का आनंद ले रही थीं। इसके बाद, सलमान खान ने संजय लीला भंसाली को ऐश्वर्या राय का नाम सुझाया। भंसाली ऐश्वर्या की खूबसूरती से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने तुरंत ऐश्वर्या को फिल्म के लिए चुन लिया। फिल्म में भूमिका के बारे में ऐश्वर्या ने कई इंटरव्यू में कहा है कि वह नंदिनी की मासूमियत और इमोशनल डेप्थ को निभाने में पूरी तरह डूबी हुई थीं, जिससे यह किरदार इतना यादगार बन पाया। 'हम दिल दे चुके सनम' के बाद ऐश्वर्या को 'ताल,' और 'हमारा दिल आपके पास है' जैसी फिल्मों ने उनकी जगह मजबूत कर दी।

भंसाली ने ऐश्वर्या राय की आंखों को बताया 'देवदास' की आत्मा

संजय लीला भंसाली ने अपनी फिल्म 'देवदास' के 20 साल पूरे होने के मौके पर फिल्मफेयर को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि ऐश्वर्या राय की आंखें उनके सौंदर्य का सबसे अहम हिस्सा हैं और उनकी आंखों में इतनी शक्ति है कि बिना संवाद के भी वे सारे भाव व्यक्त कर सकती हैं। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि 'देवदास' में नायिका पारो के रूप में ऐश्वर्या की आंखों ने पूरी कहानी को जीवंत बना दिया।

पारो बनकर रचा भारतीय सिनेमा का इतिहास

2002 में संजय लीला भंसाली की 'देवदास' में ऐश्वर्या ने पारो का किरदार निभाया और भारतीय सिनेमा की क्लासिक अभिनेत्री बन गईं। शाहरुख खान और माधुरी दीक्षित के साथ उनकी अदाकारी को आज भी भारतीय फिल्म इतिहास का स्वर्ण क्षण माना जाता है। यहीं से उनका सफर इंटरनेशनल मंचों की ओर मुड़ गया। ऐश्वर्या पहली भारतीय अभिनेत्री बनीं जिन्होंने कान्स फिल्म फेस्टिवल में भारत का प्रतिनिधित्व किया। 2002 की संजय लीला भंसाली की फिल्म 'देवदास' में ऐश्वर्या राय बच्चन का पारो के रूप में अभिनय उनके करियर का निर्णायक और ऐतिहासिक मोड़ माना जाता है। फिल्म की रिलीज ने न सिर्फ भारतीय सिनेमा में भव्यता का नया मानक तय किया, बल्कि ऐश्वर्या को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध कर दिया।?

घायल होकर भी शूटिंग करती रहीं

फिल्म 'देवदास' की शूटिंग के दौरान एक हादसा लगभग जानलेवा साबित हुआ था। एक सीन में इस्तेमाल की गई तेज हवा की मशीन के साथ दुर्घटना हुई, जिससे एक तकनीशियन की मौत हो गई और दूसरे को गंभीर चोटें आईं। इस दुर्घटना के दौरान ऐश्वर्या राय बच्चन उस सेट पर मौजूद थीं, और मशीन से उड़े मलबे से वे भी घायल हो गई थीं। बावजूद इसके, ऐश्वर्या ने शूट पूरा किया। यह घटना उनके प्रोफेशनलिज्म की मिसाल बन गई।

ऐश्वर्या ने रचा इतिहास, कान्स में भारत का परचम

साल 2002 में 'देवदास' के प्रीमियर के दौरान ऐश्वर्या पहली भारतीय अभिनेत्री बनीं जिन्होंने कान्स फिल्म फेस्टिवल में भारत का औपचारिक प्रतिनिधित्व किया। उस समय शाहरुख खान और ऐश्वर्या की रेड कार्पेट पर मौजूदगी, आज भी भारतीय सिनेमा के लिए यादगार इतिहास बन गया। अगले ही वर्ष 2003 में उन्हें कान्स जूरी में शामिल किया गया, जिससे वे इस प्रतिष्ठित भूमिका निभाने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बनीं।

ऐश्वर्या राय के करियर की बेहतरीन फिल्में

ऐश्वर्या का 'देवदास' से हॉलीवुड तक का सफर

ऐश्वर्या राय बच्चन ने 'देवदास' के बाद बॉलीवुड और हॉलीवुड दोनों ही जगह अपनी अलग पहचान बनाई। उनके करियर के बारे में एक रोचक किस्सा यह है कि 'देवदास' की शूटिंग के बाद उन्होंने सीमाएं तोड़ते हुए हॉलीवुड फिल्मों जैसे 'ब्राइड एंड प्रेजुडिस,' 'द लास्ट लीजन,' और 'द पिंक पैंथर 2' में भी काम किया। बॉलीवुड में उन्होंने 'गुरु,' 'जोधा अकबर,' 'धूम 2,' 'रावण,' और 'जज्बा' जैसी फिल्मों में अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया। खास तौर पर 'गुरु' में अभिषेक बच्चन के साथ उनकी केमिस्ट्री को दर्शकों द्वारा काफी सराहा गया।

ऐश्वर्या-अभिषेक की शादी सादगी में शाही भव्यता का संगम

2007 में ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन की शादी को बॉलीवुड की 'रॉयल वेडिंग' कहा गया था, क्योंकि यह सिर्फ दो कलाकारों का ही नहीं, बल्कि दो प्रतिष्ठित फिल्म परिवारों का मिलन था। शादी 20 अप्रैल 2007 को मुंबई में बंगाली और तुलु रीति-रिवाजों के अनुसार हुई थी। यह समारोह तीन दिनों तक फैला था, जिसमें मेहंदी, संगीत, और शादी की रस्में शामिल थीं। ऐश्वर्या ने शादी के लिए नीता लुल्ला का डिजाइन किया हुआ पारंपरिक कंजीवरम सिल्क का सुनहरा साड़ी पहना था, जो अपनी खूबसूरती और शास्त्रीय रंग के कारण यादगार रहा। अभिषेक ने सुनहरे कढ़ाई वाले क्रीम शेरवानी और पगड़ी पहनी थी। शादी बेहद प्राइवेट रखी गई थी, जहां मेहमानों की संख्या सीमित थी और मीडिया को न्यूनतम पहुंच दी गई थी। ऐश्वर्या ने अपनी शादी में साउथ इंडियन फ्लेवर डालने के लिए संगीतकारों की एक छोटी टीम को भी आमंत्रित किया था। इस शादी को बॉलीवुड की पहली ऐसी शादी माना गया, जिसमें इतनी सादगी के साथ भव्यता का संगम था और इसने तब के बॉलीवुड शादियों के स्टाइल और रीति-रिवाजों पर एक नया मापदंड स्थापित किया था।

ऐश्वर्या ने मातृत्व को दिया फिल्मों पर तरजीह

2011 में बेटी आराध्या के जन्म के बाद, ऐश्वर्या ने फिल्मों से दूरी बना कर मातृत्व पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने अपनी बेटी को जीवन की सबसे अनमोल देन बताया है। ऐश्वर्या ने विभिन्न बार मीडिया के सामने यह भाव साझा किया कि आराध्या ने उनके जीवन में खुशियों और नई जिम्मेदारियों को जोड़ा है और उनका फोकस अब परिवार पर ही रहा। इस फैसले के पीछे उनकी मातृत्व की प्राथमिकता स्पष्ट दिखती है,जिसने उन्हें फिल्मों से दूर रहकर मां बनने का आनंद लेने का मौका दिया। इस बारे में ऐश्वर्या के कई इंटरव्यू में उन्होंने इस बात को खास तौर पर बताया है कि आराध्या उनका सबसे बड़ा खजाना है, जिसने उन्हें पूरी तरह से जीवन का एक नया अर्थ दिया है। इसके अलावा, उन्होंने कभी-कभी यह भी कहा कि मां बनना एक बेहद खूबसूरत और बदल देने वाला अनुभव होता है।

गरिमा,मेहनत और संतुलन की मिसाल

ऐश्वर्या राय बच्चन को हमेशा उनके अनुशासन, व्यावसायिकता और सादगी के लिए सराहा गया।उन्होंने कभी विवादों या पब्लिसिटी स्टंट का सहारा नहीं लिया। उनका फोकस हमेशा काम, परिवार और आत्मिक विकास पर ही रहा। ऐश्वर्या की यात्रा सिर्फ सफलता की कहानी नहीं है यह साबित करती है कि मेहनत, संयम और आत्मविश्वास मिलकर कैसी ऊंचाइयां दिला सकते हैं। मॉडलिंग रनवे से मिस वर्ल्ड का मंच, बॉलीवुड से हॉलीवुड तक और फिर मां के रूप में नई भूमिका हर पड़ाव पर ऐश्वर्या राय बच्चन ने गरिमा और संतुलन से भारतीय महिला की नई परिभाषा गढ़ी है।

संवेदनशील कहानियां मुझसे जुड़ती हैं:यामी गौतम

'हक' में सिर्फ शाजिया नहीं,हर उस औरत की आवाज हूं जो न्याय चाहती है...

एक्ट्रेस यानी गौतम ने अपनी नई फिल्म 'हक' में शाजिया का मजबूत किरदार निभाया है। एक ऐसी महिला जो समाज और सिस्टम से अपने अधिकार और सच्चाई के लिए लड़ती है। सुपर्ण वर्मा के निर्देशन में बनी यह फिल्म शाह बानो केस से प्रेरित है, जिसने मुस्लिम पर्सनल लॉ, यूनिफॉर्म सिविल कोड और महिलाओं के अधिकारों पर देशभर में बड़ी बहस शुरू की थी। फिल्म में यामी सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि एक सोच और आवाज के रूप में नजर आती हैं। यह फिल्म 7 नवंबर को रिलीज होने जा रही है।

जब आपके पास इतनी संवेदनशील कहानी पहली बार आई,तो आपके मन में क्या चल रहा था?

मैं हाईस्कूल में थी जब मैंने पहली बार अखबार में शाह बानो केस के बारे में पढ़ा था। उनका चेहरा और उनकी आंखों में दिखने वाला दर्द आज तक याद है। जब ये फिल्म मेरे पास आई, तो मैं उसी समय में लौट गई। स्क्रिप्ट पढ़ते ही लगा कि कहानी में गहराई और सच्चाई है। भले ही यह बायोपिक नहीं है, लेकिन किरदार की गरिमा बनाए रखना सबसे बड़ी जिम्मेदारी थी। हमने कोशिश की है कि यह फिल्म डॉक्यूमेंट्री जैसी न लगे, बल्कि एक ऐसी कमर्शियल फिल्म बने जो लोगों को सोचने पर मजबूर करे और उन्हें जोड़ भी सके।

आपकी फिल्मों में एक पैटर्न नजर आता है। 'उरी', 'आर्टिकल 370' और अब 'हक'। हर बार आप एक ऐसी औरत बनती हैं जो देश या समाज की आवाज बन जाती है। ये हिम्मत आपको कहां से मिलती है?

ये हिम्मत मेरे घर से आती है। मैं ऐसे परिवार से हूं जहां औरतें बहुत मजबूत हैं। मेरी मां और बहन से लेकर मेरे पिता और पति तक, सबने हमेशा मेरा साथ दिया है। कई बार हमें जोर से नहीं, बल्कि चुप रहकर लड़ना पड़ता है। अगर आप सच्चे हैं, तो लोग खुद-ब-खुद आपके साथ खड़े हो जाते हैं।

जब इस तरह के संवेदनशील विषयों पर फिल्में बनती हैं, तो इंडस्ट्री के कई लोग बचकर निकल जाते हैं। आप बार-बार ऐसे ही विषय क्यों चुनती हैं?

मैं जानबूझकर कोई विषय नहीं चुनती। जब कोई कहानी दिल को छूती है, तो मैं उसे मना नहीं कर पाती। दर्शकों से जो प्यार और हिम्मत मिलती है, वही मेरा सबसे बड़ा सहारा है। मेरे लिए फिल्म अच्छी या बुरी नहीं होती बस सच्चे दिल से कही गई होनी चाहिए।

आपकी फिल्म 'हक' शाह बानो केस से प्रेरित है। क्या आपको लगता है कि आज भी महिलाओं को उनका पूरा हक नहीं मिला है?

कई जगहों पर आज भी नहीं। हर बात कोर्ट तक नहीं जाती, बहुत से दर्द सिर्फ आंखों में नजर आते हैं। देश आगे बढ़ रहा है, लेकिन अभी भी जागरूकता की बहुत जरूरत है। फिल्म का संदेश यही है – अगर औरत की आवाज सच्ची है, तो उसे कोई दबा नहीं सकता।

फिल्म में शाजिया बानो का किरदार काफी भावनात्मक है। कोई ऐसा सीन जो आपको सबसे ज्यादा छू गया हो?

हां, फिल्म के अंत में करीब नौ-दस मिनट लंबा एक मोनोलॉग है। वह सीन मेरे लिए बहुत खास था, क्योंकि उस पल मैं सिर्फ शाजिया नहीं थी, बल्कि उन तमाम औरतों की आवाज बन गई थी जिन्होंने कभी न कभी अन्याय झेला है। मैंने वह सीन एक ही टेक में किया था, और आज भी उसे याद करके दिल भर आता है।

फिल्म में यूनिफॉर्म सिविल कोड और ट्रिपल तलाक जैसे मुद्दों पर बहस हो सकती है। आप इसे कैसे देखती हैं?

हमारा मकसद विवाद नहीं, बल्कि बातचीत शुरू करना है। अगर कोई फिल्म लोगों को सोचने और चर्चा करने पर मजबूर करे, तो वही सिनेमा का असली उद्देश्य है। हम चाहते हैं कि लोग फिल्म देखें, महसूस करें और उस पर खुलकर बात करें।

फिल्म में आपके साथ इमरान हाशमी और अन्य कलाकार भी हैं। उनके साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

बहुत अच्छा अनुभव रहा। सभी कलाकार अपने काम के प्रति ईमानदार हैं। अच्छे कलाकारों के साथ काम करने से फिल्म और मजबूत बनती है। कहानी तभी असरदार लगती है जब हर किरदार सच्चाई से निभाया गया हो।

तेलुगु फिल्म 'बोनी' से पहला बड़ा ब्रेक मिला था कृति खरबंदा

बालीवुड एक्ट्रेस कृति खरबंदा के कॅरियर की शुरुआत मॉडलिंग और विज्ञापन फिल्मों से हुई, जहां उनकी मासूम मुस्कान ने लोगों का ध्यान खींचा। इसके बाद साल 2009 में उन्हें तेलुगु फिल्म 'बोनी' से पहला बड़ा ब्रेक मिला। दक्षिण भारतीय फिल्मों में कुछ सालों तक अपनी प्रतिभा साबित करने के बाद उन्होंने 2016 में फिल्म 'राज रिबूट' से बॉलीवुड में कदम रखा। कृति के करियर का असली मोड़ 2017 में आया, जब वह राजकुमार राव के साथ फिल्म 'शादी में जरूर आना' में नजर आईं। उत्तर प्रदेश के एक छोटे शहर की पीसीएस अधिकारी आरती शुक्ला का उनका किरदार आज भी दर्शकों के दिल में ताजा है। कृति ने इस भूमिका को सिर्फ निभाया नहीं, बल्कि उसे जिया। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि फिल्म की शूटिंग के दौरान जब वह पारंपरिक दुल्हन के जोड़े में तैयार हुईं, तो सेट का माहौल इतना वास्तविक था कि उन्हें लगा मानो यह उनकी अपनी शादी हो रही हो। शादी की रस्में, सजावट, परिवार का भावुक माहौल इन सबने उन्हें अंदर तक झकझोर दिया। कृति के अनुसार, उस पल में काल्पनिक और वास्तविकता की सीमाएं धुंधली हो गई थीं। उन्होंने बताया कि वह बार-बार भावुक हो जाती थीं, क्योंकि उस दृश्य में वह उस लड़की की भावनाओं को महसूस कर रही थीं, जो अपने सपनों और स्वाभिमान के बीच चुनाव कर रही है। यही गहरा जुड़ाव उनके अभिनय में सच्चाई लेकर आया। इस फिल्म ने कृति को दर्शकों के दिलों में एक मजबूत पहचान दी और यह साबित किया कि वह केवल ग्लैमर का हिस्सा नहीं, बल्कि एक सशक्त अभिनेत्री हैं। कृति ने कहा था

कि 'शादी में जरूर आना' उनके जीवन का एक जादुई अनुभव था। उन्हें इस फिल्म से जो प्यार और पहचान मिली, वह किसी भी आर्थिक सफलता से कहीं ज्यादा मायने रखती है। इससे पहले कृति ने कन्नड़ फिल्म 'प्रेम अड्डा' में भी यह दिखाया था कि वह किरदार के लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं। उस फिल्म में उन्होंने बिना मेकअप के 80 के दशक की ग्रामीण लड़की का किरदार निभाया था। अपनी गोरी रंगत के कारण उस किरदार में ढलना आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने अपनी मां के साथ मिलकर खुद कपड़े डिजाइन किए ताकि लुक पूरी तरह असली लगे। कृति खरबंदा आज बॉलीवुड में अपनी सादगी, मेहनत और अभिनय की सच्चाई के लिए जानी जाती हैं। उनकी यात्रा यह साबित करती है कि सच्चा अभिनय सिर्फ कैमरे के सामने नहीं, बल्कि दिल के भीतर से जन्म लेता है। बता दें कि कृति खरबंदा एक ऐसा नाम जो सुनते ही चेहरे पर मुस्कान आ जाती है।

पीएम मोदी ने नए विधानसभा भवन का लोकार्पण किया

मोदी ने संत गुरु घासीदास को याद किया,कहा...मनखे मनखे एक समान

रायपुर,01 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस के अवसर पर पीएम नरेंद्र मोदी ने नए विधानसभा भवन का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज का दिन स्वर्णिम शुरुआत का दिन है, मेरे लिए यह आत्मीय जुड़ाव का क्षण है। उन्होंने याद किया कि एक कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने छत्तीसगढ़ में लंबे समय तक काम किया और इस धरती से बहुत कुछ सीखा। पीएम ने कहा कि 2025 भारत के गणतंत्र का अमृत वर्ष है, और 75 साल पहले देश ने संविधान को अपनाया था। इस अवसर पर उन्होंने संविधान निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले रविशंकर शुक्ल,बैरिस्टर छेदीलाल, किशोरीमोहन त्रिपाठी, रामप्रसाद पोटाय और रघुराज जी को श्रद्धांजलि दी और संत गुरु घासीदास को भी याद किया। इसके अलावा विधानसभा परिसर में प्रवेश के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सख्त रही। यहां नेताओं और आम लोगों को गमछा लेकर जाने की अनुमति नहीं दी गई। वहीं रायपुर में पीएम की सुरक्षा ड्यूटी में तैनात आरक्षक की मौत हो गई। इसके अलावा काले कपड़े पहनने पर अमित जोगी को हाउस अरेस्ट किया गया। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने नवा रायपुर स्थित सत्य साई संजीवनी हॉस्पिटल पहुंचकर उन 2,500 बच्चों से मुलाकात की, जिनकी हृदय सर्जरी इस संस्थान में निःशुल्क हुई थी। उन्होंने एक बच्चे को गले लगाया। साथ ही उन्होंने पद्म विभूषण तीजन बाई और लेखक पद्म भूषण विनोद कुमार शुक्ल का हालचाल जाना।

हमारा एक ही लक्ष्य हो,विकसित छत्तीसगढ़,विकसित भारत : मोदी

मोदी ने कहा...2047 तक विकसित भारत की परिकल्पना में छत्तीसगढ़ की अहम भूमिका बताई और सभी जनप्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे ऐसी व्यवस्था बनाएं जो विकसित भारत के हर राज्य के लिए आदर्श बने। उन्होंने कहा कि विधानसभा में प्रश्न और बहस की गुणवत्ता बढ़े, ताकि लोकतंत्र की गरिमा बनी रहे। अंत में उन्होंने आह्वान किया 'हम सबका लक्ष्य एक ही हो, विकसित छत्तीसगढ़, विकसित भारत।

नक्सलवाद और माओवाद समाप्ति की ओर : मोदी

उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के समय हमने रामराज्य का जो संकल्प लिया था, वह सुशासन और जनकल्याण की दिशा में हमारा मार्गदर्शक सिद्धांत है। सबका साथ, सबका विकास। मोदी ने विश्वास जताया कि नक्सलवाद और माओवाद को समाप्त करने की दिशा में भारत ने बड़ी प्रगति की है। उन्होंने कहा कि पिछले 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ ने जो बदलाव देखा है, वह असाधारण है '25 साल पहले जो राज्य पिछड़ा था, आज वह विकास की दौड़ में अग्रणी बन चुका है।

पीएम मोदी ने निराला की पंक्तियां भी कही...

'प्रिय स्वतंत्र रव, अमृत मंत्र रव भारत में भर दे' का उल्लेख करते हुए कहा कि यह आजाद भारत का मंत्र था, जो हमें परंपरा से जुड़कर भविष्य की ओर आत्मविश्वास के साथ बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि नया विधानसभा भवन भी इसी भावना का प्रतीक है, जिसमें बस्तर की संस्कृति और मुरिया दरबार की झलक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ भगवान श्रीराम का ननिहाल है। 'वो इस धरती के भांजे हैं।' इसलिए आज इस नए परिसर में श्रीराम के आदर्शों को याद करने का दिन है।

पीएम मोदी ने रमन सिंह की प्रशंसा की

रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे इस बात का बड़ा उदाहरण हैं कि एक कार्यकर्ता अपने परिश्रम और समर्पण से लोकतांत्रिक व्यवस्था को कितना सशक्त बना सकता है। रमन जी इस बात का बहुत बड़ा उदाहरण है कि एक कार्यकर्ता अपने परिश्रम से अपने समर्पण भाव से लोकतांत्रिक व्यवस्था को कितना सशक्त बना सकता है। क्रिकेट में देखते हैं कि जो कैप्टन होते हैं वो खेलते है। राजनीति में ऐसा कम होता है। रमन सिंह को देखकर प्रेरणा होती है, वे हर कार्यकर्ता के लिए प्रेरणा हैं।

पीएम मोदी बोले...बस्तर जैसे इलाके में डर का नहीं बल्कि जश्न का माहौल

मोदी ने कहा कि आज बस्तर जैसे इलाके में डर का नहीं बल्कि जश्न का माहौल है। वहां बस्तर पण्डुम और बस्तर ओलिम्पिक जैसे आयोजन हो रहे हैं। आप कल्पना कर सकते हैं कि जब हम नक्सलवाद जैसी चुनौती के साथ पिछले 25 वर्षों में इतना आगे बढ़े हैं, तो इस चुनौती से निपटने के बाद हमारी गति कितनी तेज हो जाएगी। मोदी ने कहा कि आने वाला साल छत्तीसगढ़ के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। हमें विकसित भारत बनाना है, इसके लिए छत्तीसगढ़ का विकसित होना बहुत जरूरी है। मैं छत्तीसगढ़ के युवाओं से कहूंगा कि यह आपका समय है। ऐसा कोई लक्ष्य नहीं है जिसे आप हासिल नहीं कर सकते। मोदी ने कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मोदी की गारंटी है कि मोदी हर कदम, हर संकल्प के साथ खड़े हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस के मौके पर रजत महोत्सव का उद्घाटन किया...

राज्योत्सव में कहा...कुछ लोग संविधान की किताब का दिखावा करते हैं,घड़ियाली आंसू बहाते हैं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस के मौके पर रजत महोत्सव का उद्घाटन किया। मोदी ने पीएम आवास योजना के 5 हितग्राहियों को चाबियां सौंपी। पीएम मोदी ने छत्तीसगढ़ी में भाषण की शुरुआत की। मोदी ने कहा कि जम्मो भाई-बहनी,लइका,सियान मन ल हाथ जोड़ के जय जोहर। इस दौरान मोदी ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ नक्सलवाद के आतंक से मुक्त हो रहा है। लाल झंडे की जगह शान से तिरंगा लहरा रहा है। कुछ लोग संविधान की किताब हाथ में रखकर दिखावा करते हैं। सामाजिक न्याय के नाम पर घड़ियाली आंसू बहाते हैं। उन्होंने दशकों तक आपके साथ अन्याय किया। मोदी ने कहा कि हमारी सरकार ने गरीब की दवाई,गरीब की कमाई,गरीब की पढ़ाई, गरीब की सिंचाई सुविधा पर बहुत फोकस किया। आज छत्तीसगढ़ को भी लोकतंत्र का नया मंदिर,नई विधानसभा मिल रही है। यहां आने से पहले मुझे एक जनजातीय संग्रहालय को देने का अवसर मिला। मोदी ने कहा कि हमारी सरकार ने हर गरीब को पक्का घर देने का संकल्प लिया है। बीते 11 साल में 4 करोड़ गरीबों को पक्के घर दिए गए।

अब हम तीन करोड़ और नए घर बनाने का संकल्प लेकर चल रहे। 3 लाख 50 हजार से अधिक परिवार अपने नए घर में गृह प्रवेश कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि करीब 3 लाख परिवारों को 1200 करोड़ रुपए की किस्त भी जारी की गई। यह दिखता है कि छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार गरीबों को घर देने के लिए कितनी गंभीरता से काम कर रही। इसी विश्वास के साथ मैं एक बार फिर छत्तीसगढ़ के हर भाई-बहन को बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। भारत माता की जय।

मोदी बोले- गारंटी देता हूं हिंदुस्तान का हर कोना माओवाद मुक्त होगा : मोदी ने कहा कि मैं देशवासियों को गारंटी देता हूं कि वह दिन दूर नहीं जब हमारा छत्तीसगढ़, हमारा हिंदुस्तान,इस हिंदुस्तान का हर कोना माओवादी आतंक से पूरी तरह से मुक्त हो जाएगा। मोदी ने कहा कि यहां छत्तीसगढ़ के जो साथी हिंसा के रास्ते पर निकल पड़े थे, वह तेजी से हथियार डाल रहे हैं। कुछ दिन पहले कांकेर में 20 से अधिक नक्सली मुख्य धारा में लौट आए हैं।

मोदी बोले...अब लाल झंडे की जगह हमारा तिरंगा शान से लहरा रहा

पीएम मोदी ने कहा कि नक्सलियों ने बंदूक और हथियार छोड़कर देश के संविधान को स्वीकार किया है। माओवादी आतंक के खात्मे ने नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया है,जहां कभी बम और बंदूकों का खौफ था, वहां हालात बदल गए हैं। मोदी ने कहा कि बीजापुर के टिकपल्ली गांव को 7 दशक बाद पहली बार बिजली मिली है। आजादी के बाद पहली बार अबूझमाड़ के रिकायवा गांव में स्कूल बनाने का काम शुरू हो गया है। जिस गांव को कभी आतंक का गढ़ कहा जाता था,आज वहां विकास की बयार बह रही है। अब लाल झंडे की जगह हमारा तिरंगा शान से लहरा रहा है।

छत्तीसगढ़ की नीलिमा साहू बनी आईएएस अधिकारी

दुर्ग,01 नवम्बर 2025। जिले के छोटे से गांव मतवारी की नीलिमा साहू ने वो कर दिखाया है, जिसका सपना न जाने कितने युवा देखते हैं। 45 वर्षीय नीलिमा को बिहार कैडर में आईएएस अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। केंद्र सरकार ने इसकी अधिसूचना जारी की है। बता दें कि नीलिमा का चयन गैर-राज्य सिविल सेवा श्रेणी के तहत हुआ है, और खास बात यह है कि यह उनका पहला प्रयास था जिसमें उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की। उनकी सफलता ने न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे दुर्ग जिले को गर्व से भर दिया है। नीलिमा के पिता भैया लाल साहू एक सेवानिवृत्त हेडमास्टर हैं, जबकि मां ढ़ेलेश्वरी साहू गृहिणी हैं। दोनों का सपना था कि उनकी बेटी एक दिन आईएएस बने, और नीलिमा ने अपनी मेहनत और समर्पण से यह सपना साकार कर दिखाया। पांच भाई-बहनों में तीसरे नंबर की नीलिमा ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गांव मतवारी में पूरी की। छठवीं कक्षा में उनका चयन जवाहर नवोदय विद्यालय, बोरई (दुर्ग) में हुआ। बाद में उन्होंने 11वीं और 12वीं की पढ़ाई गुंटूर नवोदय विद्यालय (आंध्र प्रदेश) से की। वर्ष 2000 में उन्होंने शासकीय डिग्री कॉलेज, रायपुर से बी.एससी. की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद वे सिविल सेवा की तैयारी के लिए दिल्ली चली गईं।

बॉक्सिंग रिंग में चिकन-शराब पार्टी...12 कर्मचारियों पर एक्शन,स्पोर्ट्स असाइनमेंट से हटाए गए 7 अधिकारी

बिलासपुर,01 नवम्बर 2025। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर जोन के बॉक्सिंग रिंग में स्पोर्ट्स ऑफिसर के बर्थडे सेलिब्रेशन और शराब-चिकन पार्टी पर हाईकोर्ट की सख्ती का असर दिखा है। रेलवे के जीएम ने शपथपत्र में बताया है कि 12 कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जा रही है। वहीं इनमें से 7 कर्मचारियों को खेल गतिविधियों से हटा दिया गया है। इस मामले में हाईकोर्ट ने पूछा था कि दोषियों पर क्या कार्रवाई की गई है, जिस पर रेलवे की तरफ से जवाब दिया गया है। कोर्ट ने ये भी टिप्पणी की है कि अगर समय पर कार्रवाई नहीं होती, तो यह मामला दब जाता।

बिलासपुर गोलीकांड...कांग्रेस नेता अकबर खान गिरफ्तार

वारदात से पहले मास्टरमाइंड के साथ की थी मीटिंग तारकेश्वर-नागेंद्र ने शूटर्स को दिलवाए थे 1 लाख

बिलासपुर,01 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में राजनीतिक वर्चस्व और जमीन बिजनेस की लड़ाई के चलते कांग्रेस नेता नीतेश सिंह पर गोली चलाई गई थी। इस मामले में अब पुलिस ने कांग्रेस नेता अकबर खान को गिरफ्तार किया है। जांच में पता चला है कि गोलीकांड से पहले मुख्य आरोपी विश्वजीत की कांग्रेस नेता अकबर खान के साथ मीटिंग हुई थी। अकबर खान के साथ एक और आरोपी देवेश सुमन उर्फ निक्कु सुमन को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार अकबर खान नीतेश सिंह पर फायरिंग कराने की साजिश में शामिल था। वहीं हत्या कराने के लिए कांग्रेस नेता तारकेश्वर पाटले और नागेंद्र राय ने सुपारी दी थी। विश्वजीत को तारकेश्वर पाटले ने शूटर्स को देने के लिए एक लाख रुपए उपलब्ध कराए थे।

पुलिस नागेंद्र राय और तारकेश्वर पाटले की तलाश कर रही है। हालांकि, दोनों पुलिस पकड़ से बाहर है। इधर, पुलिस ने हमले के मास्टरमाइंड विश्वजीत अनंत, उसके भाई समेत 4 आरोपियों से पिस्टल-कट्टा बरामद किया है। इस मामले में अब तक 9 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। दरअसल, मस्तूरी जनपद उपाध्यक्ष नीतेश सिंह के कार्यालय में 28 अक्टूबर की देर शाम नकाबपोश शूटरों ने अंधाधुंध गोलियां बरसाई थी। इस फायरिंग के दौरान मौके पर मौजूद मुड़पार के पूर्व सरपंच चंद्रकांत सिंह के हाथ और एक रिश्तेदार राजकुमार सिंह उर्फ 'राजू सिंह' के पैर पर 2 गोलियां लगीं थी।

वहीं एक गोली पीठ को छूकर निकल गई। बचाव में जब नीतेश ने अपने लाइसेंसी पिस्टल से रिटर्न फायर किया, तो शूटर भाग निकले। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। इसके बाद घायल चंद्रकांत सिंह (55) और राजू सिंह (45) को अपोलो अस्पताल ले जाया गया।

रायपुर में साड़ी बेचने की आड़ में नशे की तस्करी

70किलोग्राम गांजे के साथ 5 तस्कर गिरफ्तार,गिरोह में महिलाएं भी शामिल

रायपुर,01 नवम्बर 2025। रायपुर में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और डीडी नगर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर 70 किलो गांजा जब्त किया है। पांच तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में दो महिलाएं और तीन पुरुष शामिल हैं, जो महाराष्ट्र और ओडिशा के रहने वाले बताए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, यह गिरोह एक महीने पहले साड़ी बेचने के बहाने रायपुर पहुंचा था। यहां किराए के मकान में

ठहरकर ये लोग साड़ी बिक्री की आड़ में गांजा सप्लाई कर रहे थे। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी कार में घूम-घूमकर गांजे की डिलीवरी कर रहे हैं। सूचना के आधार पर टीम ने घेराबंदी कर संदिग्ध कार को रोका,जहां तलाशी के दौरान 70 किलो गांजा बरामद किया गया। जांच में सामने आया कि, आरोपी लंबे समय से रायपुर और आसपास के इलाकों में नशे का कारोबार कर रहे थे। ये लोग महिलाओं को आगे रखकर कारोबार को छिपाने की कोशिश करते थे, जिससे किसी को शक न हो। पुलिस का कहना है कि, यह एक अंतरराज्यीय गिरोह है, जो ओडिशा से गांजा मंगाकर छत्तीसगढ़,महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के कई जिलों में सप्लाई करता था। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है।

उनके बाकी सहयोगियों की तलाश की जा रही है। इस कार्रवाई को रायपुर पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है, जिससे राजधानी में सक्रिय नशा तस्करी के नेटवर्क को कमजोर करने में मदद मिलेगी।

आर्थिक-अपराध से प्रभावित होती है देश की अर्थव्यवस्था : एनके व्यास

हाईकोर्ट ने खारिज की छत्तीसगढ़ में कोयला-घोटाले के आरोपी की बेल,प्रति टन 25 रुपए की उगाही

बिलासपुर,01 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जस्टिस एनके व्यास ने कहा कि,आर्थिक अपराध से देश की अर्थव्यवस्था सीधे तौर पर प्रभावित होती है। इसे साधारण अपराधों की तरह नहीं देखा जा सकता। कोर्ट ने इस टिप्पणी के साथ ही कोयला परिवहन में प्रति टन 25 रुपए टन की उगाही करने के एक आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी है। एसीबी-ईओडब्ल्यू का आरोप है कि इस तरह से 540 करोड़ की अवैध उगाही की गई है। एसीबी-ईओडब्ल्यू का आरोप है कि, प्रदेश में कोयला के परिवहन में जुलाई 2020 से जून 2022 के बीच करीब 540 करोड़ रुपए की रकम अवैध रूप से वसूली गई। इस मामले में आईएएस रानू साहू, राज्य प्रशासनिक सेवा की अधिकारी सौम्या चौरसिया, सूर्यकांत तिवारी, समीर बिश्नोई समेत अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में रायगढ़ निवासी नवनीत तिवारी के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया था। उसे 12 जुलाई 2025 को गिरफ्तार किया गया था। वर्तमान में वह ज्यूडिशियल कस्टडी में है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले को आधार बनाकर लगाई याचिका : आरोपी नवनीत तिवारी ने कोयला घोटाले के मुख्य आरोपियों को सुप्रीम कोर्ट से दी गई जमानत को आधार बनाकर हाईकोर्ट में जमानत याचिका लगाई थी। इसमें कहा गया कि कोयला घोटाले में रानू साहू, सौम्या चौरसिया, सूर्यकांत तिवारी, समीर बिश्नोई को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल चुकी है। ऐसे में याचिकाकर्ता को भी जमानत का हकदार मानकर बेल देने का आग्रह किया गया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)